छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 15 ■ अंक - 261 ■ अम्बिकापुर, गुरूवार 10 अक्टूबर 2024 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.अशोक सिंह के शक्तियों को क्षीण किया

स्थापनाकाल से विवादों से घिरे विवि का खामियाजा भुगत रहे थे छात्र

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। हमेशा विवादों से घिरे रहने वाले संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय में बीते 03 अक्टूबर से छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 52 लागू हो गई है। इससे जुड़ी एक अधिसूचना का प्रकाशन राजपत्र में करके कुलपति की शक्तियां छीन ली गई हैं। अब ये सारे अधिकार राज्यपाल के पास चले गए हैं। राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना में धारा 52 लागू करने के जो कारण बताए गए हैं, वह वर्षों से विश्वविद्यालय में चली आ रही खींचातानी की स्थिति को और भी स्पष्ट कर रहा है।

बता दें कि संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय अपनी स्थापनाकाल के बाद से ही विवादित कार्यशैलियों को लेकर सुर्खियों में रहा है। यहां प्रशासनिक पदों को लेकर आए दिन बनने वाली टकराव की स्थिति व अव्यवस्था की खबर छत्तीसगढ़ के राजभवन तक पहुंच रही थी, इसका खामियाजा विद्यार्थियों को तरह-तरह से भुगतना पड़ रहा था। ऐसे में 3 अक्टूबर को राजपत्र में अधिसूचना का प्रकाशन कर संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय सरगुजा में छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 52 लागू कर दी गई है। इसके बाद उक्त तिथि से ही कुलपति अशोक सिंह की शक्तियां क्षीण हो गईं हैं। इनके सारे अधिकार राज्यपाल के पास चले गए हैं। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, आर.पी. पाण्डेय, उप-सचिव द्वारा प्रकाशित अधिसूचना में जिन तीन कारणों का उल्लेख किया गया है, इनमें संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा, अंबिकापुर के कार्यकलापों में कुप्रशासन तथा अव्यवस्था, विश्वविद्यालय में आंतरिक विवाद एवं समन्वय के अभाव के कारण स्वस्थ शैक्षणिक एवं प्रशासनिक वातावरण का अभाव और जनसाधारण एवं छात्रों की दृष्टि में विवि के प्रति विश्वसनीयता में गिरावट प्रमुख रूप से शामिल है। यह अधिसूचना प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष की कालावधि के लिए प्रभावी रहेगी। अधिसूचना में उल्लेख किया गया है कि संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय सरगुजा, अंबिकापुर का प्रशासन, उक्त विश्वविद्यालय के हितों का अपाय किए गए बिना, छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 (क्र. 22 सन 1973) के उपबंधों के अनुसार नहीं चलाया जा सकता और ऐसा करना उक्त विश्वविद्यालय के हितों के समीचीन है। अतएव, छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 की धारा 52 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद द्वारा, निर्देशित करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 13, 14, 23 से 25, 40, 47, 48, 54 तथा 67 के प्रावधान, तृतीय अनुसूची में विनिर्दिष्ट किए गए उपान्तरणों के अध्यधीन रहते हुए, इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से, उक्त विश्वविद्यालय को तत्काल प्रभाव से लागू होंगे। यह अधिसूचना, प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष की कालावधि के लिए प्रवर्तन में रहेंगे।

सूने मकान से नगदी सहित 60 हजार का सामान चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सूने मकान का ताला तोड़कर चोरों ने नगद 10 हजार रुपये और लगभग 50 हजार रुपये से अधिक का जेवरात सहित अन्य सामान चोरी कर लिया। घटना की रिपोर्ट कोतवाली थाना में दर्ज कराई गई है, जिस पर पुलिस मामले की जांच में लगी है।

अनुशरण खेस्स पिता मरटिन खेस्स निवासी बधियाचुआं ने पुलिस को बताया है कि बीते 4 से 6 अक्टूबर के बीच घर का ताला तोड़कर चोरों ने सोने का दो सेट कान का जेवर, चांदी का दो सेट पायल, बच्चे का पायल और चांदी का चूड़ी, दो सेट सोने का मंगलसूत्र, बच्चे का नया साइकिल, एलईडी टीबी, मोबाइल, कपड़ा, ब्लेजर, पैन्ट सर्ट, साड़ी, बच्चे का कपड़ा सहित अन्य सामान और बॉक्स में रखा 10 हजार रुपये चोरी कर लिया। रिपोर्ट पर पुलिस जांच में जुटी है।

फिरौती के लालच में बच्चे को सुलाया था मौत की नींद, नाबालिग सहित दो गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिला अंतर्गत तोरफा गांव से लापता 10 वर्षीय बालक का शव मिलने के मामले में पुलिस ने 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक नाबालिग बालक भी शामिल है, जिसने हत्याकांड में प्रमुख भूमिका निभाई है।

बलरामपुर पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर ने बताया कि बलंगी चौकी, थाना रघुनाथनगर क्षेत्रांतर्गत ग्राम तोरफा के मोरन नदी के किनारे घर से लापता बालक बृजेश पाल 10 वर्ष का शव क्षत-विक्षत हालत में सोमवार को मिला था। शव का सिर और धड़ दोनों ही अलग-अलग जगह मिले थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक एक्सपर्ट व डॉग स्क्वाड को बुलाकर बारीकी से मामले की जांच कराया था। स्वजनों ने हत्या की आशंका जताई थी, इसी आधार पर पुलिस धारा 137(2), 103(1), 238, 61(2) बीएनएस के तहत रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच शुरू की थी।

पुलिस अधीक्षक बलरामपुर ने बताया कि विवेचना दौरान संदेही रविपाल पिता अशोक पाल 19 वर्ष, निवासी ग्राम तोरका थाना रघुनाथनगर पूछताछ के क्रम में लगातार अपना बयान बदल रहा था। पुलिस को गुमराह करने किए जा रहे प्रयास में वह विफल हुआ। संदेह पुख्ता होने पर पुलिस टीम ने रविपाल के अलावा एक अन्य विधि से संघर्षरत बालक से कड़ाई से पूछताछ की तो सामने आया कि 02 अक्टूबर की शाम को जब मृतक/गुम बालक के घर में कोई नहीं था, तब विधि से संघर्षरत बालक उसे खेलने के बहाने बुलाकर नदी के किनारे जंगल तरफ ले आया। यहां पहले से मौजूद रविपाल ने फिरौती मांगने के उद्देश्य से बालक को जबरन जंगल के अंदर ले जाना चाहा, जिसका बालक द्वारा प्रतिरोध किया गया और रविपाल उसके गर्दन को दबाकर हत्या करने की कोशिश किया। इसके बाद भी बालक की जान नहीं गई और वह उसके पहने हुए शर्ट का फंदा बनाकर उसके गले में डाल दिया और गला घोंटकर हत्या कर दी। इसमें विधि से संघर्षरत बालक ने भी उसकी सहायता की थी। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि मृत बालक के पिता कुछ दिन पूर्व मोटरसाइकिल खरीदने की बात कह रहे थे। ऐसे में आरोपियों को बालक के पिता के पास नगदी रकम होने की जानकारी लग गई और वे बालक का अपहरण कर फिरौती मांगने की योजना बनाए थे। इधर उन्होंने बालक की हत्या कर दी थी। इधर गांव व आसपास के इलाके में लगातार बालक की खोजबीन हो रही थी। पुलिस का दबाव देखकर वे फिरौती मांगने का साहस नहीं जुटा पाए।

ज्वेलरी दुकान में डकैती के फरार अंतर्राज्यीय अपराधियों से सोना-चांदी सहित 70 लाख का सामान बरामद

पूर्व में पुलिस ने वांटेड अपराधियों सहित छह को गिरफ्तार करके भेजा था जेल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर/रामानुजगंज। बलरामपुर जिला के रामानुजगंज में स्थित राजेश ज्वेलर्श में दिनदहाड़े लूट, डकैती के मामले में पुलिस ने अन्तर्राज्यीय गिरोह के दो फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने सोने-चांदी के जेवरात सहित 01 देशी कट्टा व 5 जिन्दा कारतूस भी बरामद किया है। मामले में कुछ दिन पूर्व ही डकैती में शामिल अन्तर्राज्यीय गिरोह के 06 आरोपियों को गिरफ्तार करके पुलिस ने जेल भेजा था।

बता दें कि बीते 11 सितम्बर, बुधवार को दोपहर करीब 01.30 बजे हथियार बंद अज्ञात आरोपियों के संगठित समूह ने रामानुजगंज गांधी मैदान के सामने स्थित राजेश ज्वेलर्स में घुसकर प्रतिष्ठान के मालिक राजेश सोनी पिता जगदीश प्रसाद सोनी, निवासी रामानुजगंज को हथियार के दम पर जख्मी कर दिया था और सोने-चांदी का लगभग 2 करोड 85 लाख रुपये का आभूषण और नगद रकम 07 लाख रुपये, कुल 2 करोड़ 92 लाख रुपये की लूट कर झारखंड की ओर भाग गए थे। इसकी रिपोर्ट राजेश सोनी ने थाना रामानुजगंज में दर्ज कराई थी, जिस पर पुलिस ने धारा 309 (6), 310(6), 311, 312 बी.एन.एस. एवं 25, 27 आर्म्स एक्ट दर्ज का केस करके विवेचना में लिया था। इसी क्रम में पुलिस ने प्रकरण की विवेचना दौरान सामने आए तथ्यों एवं साइबर सेल की टेक्निकल जानकारी के आधार पर आरोपियों की धर-पकड़ करके लूटे गए माल-मशरूका को बरामद करने पृथक-पृथक टीमों का गठन किया था। पुलिस टीमों को आरोपियों के संभावित स्थानों झारखंड, बिहार, दिल्ली, चंडीगढ़, पंजाब के लिए रवाना किया गया था। पुलिस टीमों की मेहनत रंग लाई और घटना में शामिल 06 अरोपियों को गिरफ्तार किया था। आरोपियों की गिरफ्तारी एवं लूट के सामान की बरामदगी में अंकित गर्ग पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज व वैभव बैंकर पुलिस अधीक्षक बलरामपुर-रामानुजगंज के निर्देशन और शैलेन्द्र कुमार पाण्डेय अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बलरामपुर एवं याकूब मेमन पुलिस अनुविभागीय अधिकारी रामानुजगंज के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई।

फरार आरोपियों से लाखों का सामान बरामद

छह आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस प्रकरण में फरार 02 आरोपियों के तलाश हेतु गठित पुलिस टीमें संभावित स्थानों पर लगातार छापेमारी कर रही थी। इसी दौरान आरोपियों के औरंगाबाद में होने की जानकारी प्राप्त हुई और पुलिस टीम ने तत्परता के साथ कार्रवाई करके फरार आरोपी राधेश्याम पासवान उर्फ श्याम 25 वर्ष, निवासी बड़कागांव, थाना अम्बा एवं रोहित सिंह उर्फ कलुवा 22 वर्ष निवासी ग्राम जमुआ, थाना अम्बा, जिला औरंगाबाद बिहार को कब्जे में लिया। आरोपियों से घटना को संबंध में कड़ाई से पूछताछ करने के बाद पुलिस 1.354 किलोग्राम सोना, चांदी 1.058 किलोग्राम, 01 नग देशी कट्टा, 05 नग जिन्दा कारतूस, कुल कीमत करीब 70 लाख रुपये बरामद करने में सफल हुई है।

पूर्व में गिरफ्तार किए गए आरोपी

मोनू सोनी उर्फ राज सोनी उर्फ चुकी उर्फ बुकिंग 24 वर्ष व सोनू सोनी उर्फ आनंद सोनी 30 वर्ष दोनों निवासी ग्राम/थाना चैनपुर, पलामू झारखंड, राहुल मेहता 22 वर्ष निवासी महावीरगंज थाना अम्बा जिला औरंगाबाद बिहार, विक्की सिंह 24 वर्ष निवासी ग्राम जमुआ थाना अम्बा, अरविन्द सोनी (सोनू का मामा) निवासी ग्राम/थाना चैनपुर, पलामू झारखंड, अंजनी एक्का (आरोपी सोनू की गर्लफैण्ड) मोहाली चंडीगढ़ को झारखंड, बिहार, दिल्ली, चंडीगढ़, पंजाब से गिरफ्तार करके रिमाण्ड पर भेजा था।

आकाशीय बिजली की चपेट में आए युवक को गोबर भरे गड्ढे में डुबोया

गांव के जागरूक युवक की पहल पर पीड़ित को एंबुलेंस से भेजा गया अस्पताल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले के मैनपाट विकासखंड अंतर्गत ग्राम सुपलगा में बीते मंगलवार को आकाशीय बिजली की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हुए युवक को गोबर से भरे गड्ढे में डुबो दिया गया। ऐसा करने वालों का मानना था कि ऐसा करने से आकाशीय बिजली के चपेट में आए व्यक्ति को राहत मिलेगी। इसे अंधविश्वास की पराकाष्ठा मानकर गांव के ही एक जागरूक व्यक्ति ने पीड़ित को संजीवनी 108 एंबुलेंस बुलाकर अस्पताल भेजा। इलाज के बाद हालत में सुधार होने पर पीड़ित को बुधवार को अस्पताल से डिस्चार्ज करके घर भेज दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक मैनपाट विकासखंड अंतर्गत ग्राम सुपलगा निवासी बनवारी बैगा मंगलवार को दोपहर में मवेशी चरा रहा था। इसी बीच अचानक बारिश के साथ आकाशीय बिजली कौंधने लगी। इसकी चपेट में आने से बनवारी गंभीर रूप से घायल हो गया। इसकी जानकारी स्वजनों को मिली और वे युवक को आननफानन में कथित रूप से राहत दिलाने के लिए घंटों गोबर के गड्ढे में डालकर रखे थे। पीड़ित का सिर्फ सिर बाहर था, पूरा शरीर गोबर में डूबा हुआ था। बताया जा रहा है कि उक्त पीड़ित ग्रामीण घण्टों गोबर के बीच रहा, उसे होश नहीं आया था। इसी बीच गांव के ही एक शख्स ने युवक की गंभीर हालत को देखते हुए संजीवनी 108 एंबुलेंस के लिए फोन किया और आकाशीय बिजली की चपेट में ग्रामीण के आने की जानकारी दी। इसके बाद मौके पर एंबुलेंस के साथ पायलट और ईएमटी पहुंचे और गोबर में डुबोकर रखे गए युवक को तत्काल अस्पताल ले जाने के लिए प्रेरित किया। समय रहते अस्पताल में मिली इलाज की सुविधा के कारण वह सही सलामत बच गया। एंबुलेंस के कर्मचारियों की मदद से भर्ती किए गए ग्रामीण के स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है।

अंधनिष्ठा से जुड़े ऐसे कई मामले पूर्व में आ चुके हैं सामने

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से बनने वाली गंभीर स्थिति के बाद ग्रामीण क्षेत्र में लोग आज भी गोबर का लेप करने या गोबर में पीड़ित को डुबो देने को रामबाण इलाज मानते हैं। ऐसे कई मामले सरगुजा जिला व संभाग में सामने आ चुके हैं। इसे भले ही लोग अंधमान्यता कहें लेकिन ग्रामीण इसे शर्तिया इलाज मानते हैं, जिस कारण पीड़ित को अस्पताल ले जाने में विलंब की स्थिति बनती है और कभी-कभी पीड़ित की स्थिति खतरे में भी पड़ जाती है। चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि आकाशीय बिजली जिस वेग से गिरती है और इसके बाद संबंधित पीड़ित को जो मनोदशा रहती है, उसे देखते हुए बिना विलंब किए चिकित्सा सुविधा दिलाने के लिए उसे अस्पताल ले जाना चाहिए।

जीवन की गुणवत्ता व हैप्पीनेस को इंडेक्स बना रहे विकसित देश अपने विकास के सूचकांक में

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर राजीव गांधी शासकीय महाविद्यालय में विविध आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर के मनोविज्ञान विभाग द्वारा प्राचार्य डॉ. रिजवान उल्ला के निर्देशन में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अतिथियों का स्वागत छात्रों द्वारा स्वागत गीत एवं भेंट स्वरूप पौधे देकर किया गया। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. तृप्ति विश्वास द्वारा दिया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में आईक्यूएसी के कोऑर्डिनेटर डॉ. अनिल सिन्हा ने अपने वक्तव्य में बताया कि अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के लिए खुश रहना एवं सकारात्मक विचार रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा यही कारण है कि विकसित देश अब अपने विकास के सूचकांक में जीवन की गुणवत्ता और हैप्पीनेस को इंडेक्स बना रहे हैं।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर के प्राचार्य डॉक्टर रिजवान उल्ला ने अपने संबोधन में कहा कि जीवन में आने वाली समस्याएं क्षणिक होती हैं, उनसे हमें विचलित नहीं होना चाहिए और हर परिस्थितियों में प्रसन्न रहना चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मिखाईल एक्का ने कहा कि एक-दूसरे से अच्छे मेल, प्रेम से रहें तो कभी भी किसी को कोई मानसिक तनाव या समस्या नहीं होगी। कार्यक्रम में उपस्थित आर्ट ऑफ़ लिविंग की शिक्षिका प्रतिमा शर्मा द्वारा मेडिटेशन कराया गया। नैदानिक मनोवैज्ञानिक डॉ. सुमन कुमार द्वारा तनाव को कम करने के लिए माइंडफूलनेस एक्टिविटी एवं मानसिक और शारीरिक रिलैक्सेशन के लिए जेपीएमआर तकनीक का प्रायोगिक प्रदर्शन किया। मनोज बिसेन नर्सिंग ऑफिसर एनएमएचपी द्वारा मानसिक एवं शारीरिक समन्वय को बनाए रखने के लिए माइंड बॉडी कोआर्डिनेशन एक्टिविटी कराया गया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में बलून एक्टिविटी के माध्यम से उपस्थित अतिथियों एवं छात्रों को उत्साहित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अतिथि व्याख्याता सोहनी सिंह मनोविज्ञान व आभार ज्ञापन सहायक प्राध्यापक मनोविज्ञान ज्योति लकड़ा ने किया। कार्यक्रम में तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग के समस्त कर्मचारी एवं राजीव कुमार, दीपिका स्वर्णकार अतिथि व्याख्याता, विक्टर खाखा, डॉ. ग्लैडिस एस मैथ्यू, कु. वर्षा, मनोविज्ञान विभाग एमए के विद्यार्थियों में माधुरी सिंह, दीपक, मनोज, जयंती, आरती, अंशिका, मालती, शासिता, अभिषेक गुप्ता, प्रमोद एवं रितेश सम्मिलित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में एनएमएचपी एवं मनोविज्ञान विभाग, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय का सहयोग रहा।

बीटगार्ड व फायर वाचर ने ग्रामीण को हाथ बांधकर पीटा

ईंधन के लिए जंगल में लकड़ी संग्रहित करने गया था

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। वनकर्मियों के द्वारा लकड़ी लेने जंगल गए ग्रामीण के साथ बेरहमी से मारपीट का मामला प्रकाश में आया है। घटना को वन विभाग के बीटगार्ड और फायर वाचर के द्वारा अंजाम देने का आरोप पीड़ित लगा रहा है। घटना वन परिक्षेत्र अंबिकापुर और सूरजपुर जिले के लटोरी पुलिस चौकी क्षेत्रांतर्गत की है। मारपीट की रिपोर्ट ग्रामीण ने पुलिस चौकी में भी दर्ज कराई है।

जानकारी के मुताबिक ग्राम फुलवारो निवासी शोभित चेरवा लकड़ी लेने के लिए अंबिकापुर वन परिक्षेत्र के खलीबा बीट के जंगल में गया था, यहां बीट गार्ड सुभाष पैकरा और फायर वाचर भगत राम के द्वारा हाथ बांधकर लाठी-डंडे और हाथ-मुक्का से उसकी बेरहमी से मारपीट की गई। बीट गार्ड व फायर वाचर के द्वारा की गई मारपीट में शोभित के पीठ, पैर और पेट में गंभीर चोटें आई हैं। मारपीट में आहत शोभित राम चेरवा का कहना है कि, वह जंगल में जलाने के उपयोग के लिए लकड़ी संग्रहित करने गया था, तब उसे जंगल का सिपाही पकड़ा और फायर वाचर को बुला लिया। इस दौरान किए गए संघर्ष के बीच दोनों उसके पैर को बांधने की कोशिश में नाकाम रहे और दोनों हाथ बांधकर मारपीट करने लगे। लटोरी चौकी पुलिस ने ग्रामीण के साथ बेरहमी से मारपीट का मामला संज्ञान में आने के बाद ग्रामीण की ओर से दिए गए आवेदन के आधार पर विधिवत जांच, कार्रवाई कर रही है।

संभागायुक्त ने पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ को दायित्व के विपरीत कार्य करने पर किया निलंबित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा संभागायुक्त द्वारा शासकीय सूकर पालन प्रक्षेत्र सकालो, अंबिकापुर के प्रबंधक डॉ. चन्द्रकुमार मिश्रा, पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ को दायित्व के विपरीत कार्य करने पर निलंबित कर दिया गया है। उक्त पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ पर सूकर एवं सूकर आहार निजी व्यापारियों को बेचने की शिकायत प्रस्तुत की गई थी। उक्त शिकायत की जांच आरके खुंटे, उपायुक्त (वि.) कार्यालय आयुक्त सरगुजा संभाग अंबिकापुर से कराई गई। जांच प्रतिवेदन के निष्कर्ष अनुसार निलंबन की कार्रवाई की गई है। उक्त कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 3 के सर्वथा विपरीत होने के कारण डॉ. मिश्रा को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 (1)(क) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय कार्यालय उप संचालक पशु चिकित्सा सूरजपुर नियत किया गया है। निलंबन अवधि में इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

अवैध लकड़ी का चिरान परिवहन करते वाहन जप्त, सवार फरार

वन विभाग की टीम ने एक सप्ताह के अंदर तीसरी बार जप्त किया वाहन

छ.ग.फ्रंटलाइन उदयपुर। वन अमले ने उदयपुर सर्किल अंतर्गत डांडगांव में 7 नग लकड़ी के कीमती चिरान का अवैध परिवहन करते एक वाहन को घेराबंदी करके जप्त किया है। लकड़ी तस्कर रात का फायदा उठाकर वाहन को लावारिस हाल में छोड़कर भाग गए।

जानकारी के मुताबिक वन परिक्षेत्र उदयपुर के डांड़गांव सर्किल प्रभारी को मंगलवार की रात 8 बजे सूचना मिली थी कि टाटा मैक्समो वाहन क्रमांक सीजी 15 एडी 0824 में लकड़ी का अवैध चिरान तस्करी किया जा रहा है। वन परिक्षेत्र उदयपुर की टीम ने दौलतपुर रोड पर वाहन को कब्जे में लेने के लिए प्वाइंट लगाया और घेराबंदी करके वाहन के आने की प्रतीक्षा कर रही थी। तस्करों को वन अमले के द्वारा की गई घेराबंदी का आभास हुआ और रात का फायदा उठाकर वे लकड़ी के साथ गाड़ी छोड़कर फरार हो गए। बता दें कि वन विभाग उदयपुर के द्वारा एक सप्ताह के अंदर रेंज के भीतर अलग-अलग जगहों में तीन वाहनों को चिरान के साथ जप्त किया है, इसके बावजूद लकड़ी तस्करी का सिलसिला नहीं थमा है। कार्रवाई दौरान प्रमुख रूप से वनपाल अशोक कुमार सिंह, चंद्रभान सिंह, विष्णु सिंह, अमरनाथ राजवाड़े, शाहिद कपूर सहित अन्य शामिल रहे।

छुई खदान धसने से दो ग्रामीणों की मौत, जांच में जुटी पुलिस

छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर। थाना क्षेत्र के कुन्नी पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम जमदरा में छुई खदान धसने से दो ग्रामीणों मौत हो गई। सूचना उपरांत पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के मुताबिक ग्राम जमदरा निवासी हीरामन यादव पिता गजरू अपने साथी शिवा यादव के साथ बस्ती से लगभग एक किलोमीटर दूर छूही मिट्टी निकालने के लिए खदान में बुधवार की सुबह गए थे। इस दौरान ऊपर का मलबा उनके ऊपर गिर गया और मलबे में दबने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना कुन्नी पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। घटना से गांव में शोक का माहौल है।

आगामी त्यौहारों को लेकर शांति समिति की बैठक सम्पन्न

कलेक्टर रिमिजियुस एक्का ने कहा आपसी समन्वय एवं भाईचारे के साथ मनाएं त्यौहार

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी त्यौहारों को शांति और सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाने का निर्णय लिया गया। कलेक्टर श्री एक्का ने कहा कि हमारा बलरामपुर-रामानुजगंज जिनस शुरू से ही शांतिपूर्ण जिला रहा है और यहां प्रत्येक त्यौहारों को सभी समाज भाईचारे के साथ मनाते आ रहे हैं। उन्होंने इस परम्परा को बनाये रखने विभिन्न समाज प्रमुखों से आग्रह किया। उन्होंने प्रतिमा विसर्जन के संबंध में कहा कि उच्च न्यायालय के द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए निर्धारित स्थानों पर ही विसर्जन करें। साथ ही न्यायालय के निर्देशानुसार फूल-माला तालाबों में न डालें। श्री एक्का ने समाज प्रमुखों से कहा कि जुलूस एवं रैली के लिए रूटचार्ट का निर्धारण करते हुए जिला प्रशासन को अवगत करायें। साथ ही पण्डालों में एवं विसर्जन के दौरान डीजे का उपयोग न करें।

बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री बैंकर वैभव रमनलाल ने कहा कि आगामी त्यौहारों को देखते हुए हमें सभी धर्मों का सम्मान कर त्यौहार मनाना है ताकि जिले के नागरिक आनंद से त्यौहारों का मजा ले सकें। साथ ही उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग की कोशिश रहेगी कि इस दौरान जिले में शांति व्यवस्था बनी रहे। उन्होंने समाज प्रमुखों से जनभावनाओं को बगैर ठेस पहुंचाये त्यौहार मनाने की अपील की। अपर कलेक्टर श्री इंद्रजीत वर्मन ने कहा कि आप सभी अपने-अपने कार्यक्रम की रूपरेखा व रूट चार्ट की जानकारी पुलिस एवं जिला प्रशासन को दें, जिससे कानून व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकेगी। इस दौरान समाज प्रमुखों ने नगरपालिका क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न समस्याओं से कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया। जिस पर कलेक्टर ने उपस्थिति अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिये। बैठक में नगरपालिका बलरामपुर के उपाध्यक्ष श्री नवीन कुमार गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री शैलेन्द्र पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर श्री आर.एन. पाण्डेय, सर्व अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, आदिवासी समाज के अध्यक्ष श्री बसंत कुजूर, मुस्लिम समाज के अध्यक्ष श्री आफताब आलम, विश्व हिन्दू परिषद के जिला अध्यक्ष श्री अभिषेक मिश्रा, व्यापारी संघ के अध्यक्ष श्री छोटेलाल गुप्ता सहित विभिन्न समाज के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

फोटोयुक्त निवार्चक नामावली मुद्रण हेतु निविदा फॉर्म के शर्त एवं अनुदेश में किया गया संशोधन

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जिला बलरामपुर-रामानुजगंज में नगरपालिका एवं त्रिस्तरीय पंचायत के आगामी आम चुनावों के लिए निर्वाचक नामावली के मुद्रण के लिए मुहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की गई है। जिसके लिए समाचार पत्रों के माध्यम से 03 अक्टूबर को निविदा सूचना प्रकाशित की गई थी।

फोटोयुक्त निवार्चक की नामावली हेतु निविदा की शर्तें एवं अनुदेश के कण्डिका क्रमांक 05 में बयाने की राशि को फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली मुद्रण हेतु आयोग द्वारा दिये गये निर्देश की कण्डिका क्रमांक 03 के अनुसार ही समझा जावे। साथ ही निविदाकार चाहे तो यह राशि कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के नाम पर चालान के स्थान पर भारतीय स्टेट बैंक अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा जारी फिक्स डिपॉजिट रशीद कम से कम 06 माह की अवधि का होना चाहिए। निविदा के साथ बयाना राशि जमा कर दिये जाने के प्रमाण में निविदाकार को निविदा प्रपत्र के साथ फिक्स डिपॉजिट या चलान की मूल प्रति संलग्न कराना अनिवार्य है, इसके बिना निविदा पर विचार नहीं किया जाएगा।

सड़क चौड़ीकरण हेतु खोदे गए गड्ढे बन गए हैं जानलेवा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्य राहगीरों के लिए मुसीबत का सबब बन गई है। व्यस्तम मार्ग पर निर्माण एजेंसी द्वारा विभागीय अधिकारियों की उदासीनता की वजह से सावधानी बरतने कोई सूचक संकेत कई स्थानों पर नहीं लगाए जाने से लोग छोटी बड़ी दुर्घटनाओं के शिकार हो रहे हैं। गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर ग्राम पंचायत संजयनगर से अंबिकापुर तक सड़क चौड़ीकरण कार्य कराए जाने हेतु सड़क किनारे बंगाली ढाबा से लेकर देव स्वीटस तक गड्ढा खुदाई कराया गया है। इस व्यस्ततम मार्ग पर विभागीय अधिकारियों की उदासीनता की वजह से निर्माण एजेंसी द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से सूचक नहीं लगवाए जाने की वजह से राहगीर दुर्घटनाओं के शिकार हो रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि निर्माण एजेंसी द्वारा यहां पर खोदवाए गए गड्ढे में थोड़ा सा सूचक लगवाकर अपनी जिम्मेदारी से इतिश्री कर लिया है। ऐसी स्थिति में बारिश होने पर गड्ढे का अंदाजा राहगीरों को नहीं हो पाती है। साथ ही गड्ढों की वजह से भारी वाहनों के आवागमन होने पर भी राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ती है। खोदे गए गड्ढे से महज कुछ ही दूरी में दुर्गा पंडाल भी है, जिसमें प्रतिदिन सुबह शाम भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ती है। ऐसी स्थिति में यहां पर हमेशा किसी अप्रिय घटना घटित होने की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों से तत्काल यहां पर व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु पहल किए जाने की मांग की गई है।

सदस्यता अभियान को लेकर भाजपा मंडल की हुई बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। भाजपा मंडल शिवनंदनपुर और लटोरी मंडल की संयुक्त बैठक बिंझिया सामुदायिक भवन जयनगर में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य अजय गोयल, भाजपा पूर्व जिला मंत्री ललित गोयल, दीपेंद्र सिंह चौहान, जिला मंत्री अशोक सिंह, मंडल अध्यक्ष देवधन राम बिंझिया, रितेश जायसवाल थे। सर्वप्रथम श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के छायाचित्र पर दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि ने सदस्यता अभियान पर कहा कि फौज में रहकर बॉर्डर पर देश का सेवा कर रहा था, अब पार्टी के सेवा करने का अवसर मिला है। भाजपा ऐसा पार्टी है, जिसमें काम करके पोलिंग बूथ का अध्यक्ष भी विधायक बन सकता है। मैं विश्व के सबसे बड़ी पार्टी का सदस्य हूं, जो देश के लिए काम करता है। आप सभी सौभाग्यशाली हैं। जो कार्यकर्ता पहले 50 सदस्य बनाए हैं, उनको अब 100 सदस्य बनाना है। ऑफलाइन भी सदस्य ज्यादा से ज्यादा बनाना है। कार्यक्रम का मंच संचालक भाजपा मंडल महामंत्री संदीप सरकार व आभार लटोरी मंडल अध्यक्ष मोहन शर्मा ने व्यक्त की। इस दौरान पूर्व ठाकुर प्रसाद, भोग प्रसाद, अमरनाथ पैकरा, शिव राजवाड़े, अंजू सिंह, मनमथ बछाड, श्यामल समद्दार, संजय सिंह नेताम, रतन गर्ग, करुणा सिकदार, मनी बग्गा, कृष्ण कुमार गोयल, रितेश जायसवाल, श्यामू साहू, तारक सिरदार, बंटेश्वर सारथी, देवेंद्र सोनवानी, नोहर साय, वीरेंद्र कुमार, गौरांग मंडल, भागवत प्रजापति, दुर्योधन राजवाड़े, संतोष कुमार, दिनेश राजवाड़े, समीर सिंह, गोलन राम, दीपक पाठक, भोला, राजाराम, जीरो बाई, बुलचु राजवाड़े, सुमनिया, विजय कुर्रे व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वैश्य वर्ल्ड फाउण्डेशन द्वारा सरगुजा संभाग का विजयराज को नियुक्त किया गया अध्यक्ष

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। वैश्य वर्ल्ड फाउण्डेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष यशपाल गुप्ता की अनुमति एवं प्रदेश अध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल की सहमति से सरगुजा क्षेत्र के समाज सेवी विजयराज अग्रवाल को फाउण्डेशन के सरगुजा संभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सामाजिक क्षेत्र में सक्रियता, सजगता के साथ किए गए कार्यों को दृष्टिगत रखते समाज और संगठन के हित में विजयराज अग्रवाल को सरगुजा का संभागीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उक्त नियुक्ति से संगठन कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है।

पोडिपा पंचायत में ग्राम सभा नहीं होने पर ग्रामीणों में नाराजगी

कलेक्टर को ज्ञापन देकर संबंधित के खिलाफ हुई कार्यवाही की मांग

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शासन के निर्देश को धता बताते हुए गांधी जयंती पर ग्राम सभा नहीं कराने जाने के विरोध में ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर कार्यवाही की मांग की है। साथ ही संबंधित दोषियों के खिलाफ सात दिन में कार्यवाही नहीं किए जाने पर उग्र प्रदर्शन की बात कही गई है।

कलेक्टर को दिए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि पंचायत संचालनालय छत्तीसगढ़ के पूर्व आदेश अनुसार छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 6 में ग्राम सभा प्रत्येक तीन माह में कम से कम एक सम्मिलन आयोजन करने का प्रावधान है। छत्तीसगढ़ शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग का पत्र के अनुसार ग्राम पचायतों में 23 जनवरी,14 अप्रैल, 20 अगस्त एवं 2 अक्टूबर को अनिवार्य रूप से ग्राम सभा करने का प्रावधान है। बावजूद इसके ग्राम पंचायत पोडिपा में 24 जनवरी 2024 के अलावा आज तक एक भी ग्राम सभा नहीं कराया गया है जबकि 2 अक्टूबर को अनिवार्य ग्राम सभा करने का आदेश जारी हुआ था। जिसका पंचायत सचिव द्वारा अवहेलना करते हुए ग्राम सभा नहीं कराया गया है। ऐसी स्थिति में ग्रमीणों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर नहीं मिल पा रहा है। इस वजह से ग्रामीणों में पंचायत सचिव व सरपंच की मनमनी रवैया से नाराजगी व्याप्त है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि 7 दिवस के भीतर ग्राम सभा नहीं कराए जाने पर ग्रामीणों द्वारा पंचायत भवन में धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

जनपद सीईओ ने नियुक्त किए अधिकारी

ग्रामीणों द्वारा पंचायत में ग्रामसभा का आयोजन नहीं कराए जाने की शिकायत पर जनपद सीईओ विनोद सिंह ने यहां पर विधिवत ग्राम सभा कराए जाने हेतु 11 अक्तूबर की तिथि निर्धारित की गई है। साथ ही उक्त निर्धारित तिथि को तीन सहायक आंतरिक लेखा परीक्षण एवं करारोपण अधिकारी क्रमशः जगदीश एक्का, एंथ्रेस एक्का व नर्बदा सिंह को नियुक्त किया गया है।

एसईसीएल की लीज भूमि में बने सामुदायिक भवन को प्रबंधन ने कराया ध्वस्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर पंचायत बिश्रामपुर द्वारा एसईसीएल की लीज भूमि पर वर्ष 2007 में अधोसंरचना मद व मुख्यमंत्री स्वावलंबन योजना मद से वार्ड क्रमांक 10 में निर्मित कराए गए प्रतिक्षालय भवन व उसके आहता एवं गायत्री मंदिर के समीप बने व्यवसायिक परिसर को न्यायालय के निर्देश का हवाला देकर एसईसीएल का सुरक्षा अमला स्थानीय पुलिस कर्मियों को लेकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी है। बुधवार को एसईसीएल की टीम जब अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने वार्ड क्रमांक 10 में कंपनी के लीज होल्ड एरिया में खसरा क्रमांक 311 में 4500 वर्ग फीट में बने सामुदायिक भवन के पास पहुंची और ध्वस्तीकरण कार्य शुरू कर दिया और आधे घंटे में सामुदायिक भवन और पार्षद निधि से बने उसके चाहर दिवारी को ध्वस्त कर दिया। इस कार्यवाही की नगर पंचायत अमले को भनक तक नहीं लगी। यहां कार्यवाही पूरी कर टीम गायत्री मंदिर के बाजू जेएमक्यू कॉलोनी मार्ग पर कंपनी की लीज भूमि खसरा क्रमांक 380 पर मुख्यमंत्री स्वावलंबन योजना के तहत वर्ष 2007 में बने व्यवसायिक परिसर 16 नग दुकानों के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही जब शुरू हुई, तब नगर पंचायत के अधिकारी मौके पर पहुंचे और इधर उधर फोन लगाकर किसी तरह कार्यवाही रुकवाया।बताया जा रहा है कि नगर पंचायत ने पांच दिन की मोहलत मांगी है, जिस पर प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद कार्यवाही रुकी। नगर पंचायत का गठन वर्ष 2003 में हुआ था। पूरा नगर पंचायत क्षेत्र एसईसीएल के लीज भूमि में स्थित है। नगर पंचायत के पास खुद की भूमि नहीं होने से शासन द्वारा प्रतिवर्ष विकास कार्य के लिए जारी किए जाने वाले विकास व निर्माण कार्य के करोड़ो रुपए लीज भूमि में अब तक फूंके जा चुके हैं। वर्ष 2007 में उक्त दोनों निर्माण कार्य के लिए राशि जारी होने और काम भी लगभग पूरा होने के बाद एसईसीएल प्रबंधन ने न्यायालय से स्थगन आदेश लेकर काम रुकवा दिया और अब ये दोनों भवन आधा अधूरा निर्माण के चलते खंडहर में तब्दील हो चुके हैं। तब के प्रकरण में पांच माह पूर्व गत दिनों 10 मई को तृतीय व्यवहार न्यायाधीश डीएस बघेल के न्यायालय ने एसईसीएल के पक्ष में फैसला सुनाते हुए नगर पंचायत को चार माह के भीतर निर्माण के कार्य को अपने खर्च पर तोड़कर भूमि को वादी को सौंपने का निर्देश दिया था। बावजूद इसके नगर पंचायत प्रबंधन ने न्यायालय के निर्देश पर ध्यान नहीं दे रही थी, जिसके बाद प्रबंधन ने तीन दिन पूर्व नगर पंचायत प्रबंधन को सूचना देकर आज ध्वस्तीकरण की कार्यवाही शुरू कर दी है। नगर पंचायत प्रबंधन का कहना है कि उसे अदालत से पहले दो बार स्थगन मिल चुका था। वर्तमान में प्रबंधन ने अचानक केस की फाइल खुलवाई है और वर्तमान में न्यायालय के सुनवाई की उन्हें भनक तक नहीं लगी और न ही इस मामले में उन्हें सुनवाई के दौरान कोई नोटिस मिला। साथ ही फैसले की जानकारी भी नहीं लगी। उन्हें तीन दिवस पूर्व एसईसीएल की चिट्ठी जरूर मिली थी।

वर्तमान में लीज भूमि में चल रहे डेढ़ करोड़ के कार्य

ज्ञात हो कि एक ओर प्रबंधन बेदखली कार्यवाही शुरू किया है, वहीं दूसरी तरफ नगर पंचायत द्वारा वार्ड क्रमांक एक में एसएलआरएम सेंटर के बाजू में 55 लाख की लागत से इंडोर स्टेडियम व 40 लाख रुपए का जीम सेंटर सहित अलग अलग वार्डों में लाखों के निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं। उक्त सभी कार्य एसईसीएल की भूमि पर ही हो रहे हैं।

छात्र-छात्राओं को वाणिज्य एवं उद्योग से संबंधित दी गई जानकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर के शासकीय महाविद्यालय में बुधवार को वाणिज्य एवं उद्योग विभाग जिला सूरजपुर के तत्वाधान में महाविद्यालय में प्राध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं को वाणिज्य एवं उद्योग से संबंधित जानकारी दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। उद्बोधन सत्र में जय श्री राज प्रबंधक द्वारा छात्र-छात्राओं को प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम एवं प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना के बारे में विस्तार से बताया गया। हिमांशु अग्रवाल चार्टर अकाउंटेंट ने जीएसटी, आईटी और आयकर से संबंधित प्राध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं को जानकारी दी। शुभम सोनी फील्ड ऑफिसर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा औद्योगिक नीति उपलब्ध सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। अवधेश कुशवाहा प्रबंधक डीआईसी ने भी छात्र-छात्राओं को जानकारी दिया। शिवनाथ सिंह, खुशराम सहायक प्रबंधक डीआईसी द्वारा भी उद्योग से संबंधित जानकारी दिया गया।

जिला पंचायत सदस्य गीता जायसवाल द्वारा छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी गई। पूर्व जिला पंचायत सदस्य सत्यनारायण जायसवाल ने सभी अतिथि को धन्यवाद प्रेषित किया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने अपने जिज्ञासा प्रकट की और जिज्ञासा का समाधान भी अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रियंका भगत, शशि शेखर कुमार, ज्ञानेश मुद्गल, शैलेश सिंह, मृदुलता शर्मा, निशांत मिंज, अंकुश, प्रीति दास, घनश्याम दुबे, चंदन सिंह, सर्वयर दास, प्रमिला सिंह व अन्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मनीषा व अंजलि द्वारा किया गया।

कोयलांचल के बंगाली क्लब में दुर्गोत्सव की धूम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बंगाली क्लब प्रांगण में दुर्गा पूजा का आयोजन किया जा रहा है। पिछले 32 वर्षों से लगातार दुर्गोत्सव का आयोजन क्लब प्रांगण में किया जा रहा है। यहां की पूजा पूरी तरह से पश्चिम बंगाल के तर्ज पर किया जाता है, जिसमें क्लब के कार्यकर्ताओं की विशेष भूमिका रहती है। आज 9 अक्तूबर को महाषष्ठी की पूजा का आयोजन गया। कार्यक्रम की शुरुआत अगोमानी गीत के साथ हुई। साथ ही महिलाओं की धुनुची डांस व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम 9 व 10 अक्तूबर की शाम को रखा गया। इस वृहद पूजा अनुष्ठान में भक्तों से अधिकाधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया गया है। आयोजन को सफल बनाने में अध्यक्ष श्याम घोषाल, उपाध्यक्ष प्रकाश कर, महासचिव मलय नंदी, संयुक्त सचिव तपन पाल, कोषाध्यक्ष देवाशीष चटर्जी के अलावा सीए एच अग्रवाल, प्रमिल भट्टाचार्य, हेमंतो मुखर्जी, श्रीमती विजय पाल, मुक्ता भट्टाचार्य, गौतम पाल, राकेश विश्वास, निखिल रंजन चौधरी, मृत्युंजय सरकार, राजकुमार सिन्हा व अन्य शामिल हैं।

करवां समेत आसपास क्षेत्र में भक्तिभाव से मनाया जा रहा शारदीय नवरात्रि

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शारदीय नवरात्रि का महापर्व करवां व आसपास क्षेत्र में धूमधाम से मनाया जा रहा है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी करवां हाई स्कूल के सामने यज्ञशाला प्रांगण के दुर्गा पंडाल में श्री नवदुर्गा पूजा सेवा समिति द्वारा मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना किया जा रहा है। मां दुर्गा के नव स्वरूपों में आज सप्तमी तिथि को पट खुलने के साथ ही माता का श्रृंगार किया गया। इसके पश्चात पूजा अर्चना कर आरती की गई। समिति के अध्यक्ष अमरसाय राजवाड़े ने बताया कि दुर्गा पंडाल में लगातार तीसरे वर्ष दुर्गा पूजा किया जा रहा है। प्रतिदिन संध्या पूजा, आरती पश्चात प्रसाद किया जाता है। देवी भजन, जगराता का कार्यक्रम एवं स्थानीय बच्चों द्वारा नृत्य संगीत का आयोजन की जा रहा है, जिसमें आसपास क्षेत्र के श्रद्धालु बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। बच्चों के कार्यक्रम में श्रेष्ठ कार्यक्रम को चयनित कर पुरस्कार वितरण भी किया जाएगा। विजयादशमी के दिन रावण दहन कार्यक्रम हेतु समिति द्वारा विशेष टीम का गठन किया गया, जिनके द्वारा रावण का पुतला बनाने का कार्य जोर शोर से किया जा रहा है। 9 अक्टूबर को गजाधरपुर के जगराता टीम द्वारा मां दुर्गा भजन स्तुति हेतु दुर्गा पंडाल में कार्यक्रम रखा गया। करवां के यादव, सरकारीपारा, माझापारा, पड़कीपारा सहित आसपास क्षेत्र में मां दुर्गा का भक्ति भाव के साथ पूजा अर्चना किया जा रहा है। आयोजन को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष अमर साय राजवाड़े समेत उपाध्यक्ष राजकुमार कुशवाहा, ललन सिंह, कोषाध्यक्ष महेश कुशवाहा, सचिव प्रज्ञा कुशवाहा, संतोष कुशवाहा फलेश्वर कुशवाहा, श्रीराम कुशवाहा, नंदकिशोर कुशवाहा, तेज प्रताप सिंह, दुर्गा प्रसाद साहू, मधुसूदन कुशवाहा, संजय कुशवाहा, नरेश गुप्ता, मृत्युंजय कुशवाहा, सुनील कुशवाहा, रामेश्वर कुशवाहा, मानिकचंद कुशवाहा, जनार्दन कुशवाहा, सुशील कुशवाहा, प्रकाश कुशवाहा, नरेश कुशवाहा व श्री सिद्धिविनायक नवयुवक गणेश पूजन समिति के सदस्य सक्रिय हैं।

योगी सरकार की अनूठी पहल, प्रदेश की 7500 छात्राएं बनेंगी एक दिन की अधिकारी

संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार के मिशन शक्ति 5.0 अभियान को बल देने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। प्रदेश की परिषदीय और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) की छात्राओं को प्रशासनिक कार्यों और जिम्मेदारियों से अवगत कराने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास करने के लिए उन्हें एक दिन का अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। प्रदेश की बेटियों के सशक्तिकरण के लिए योगी सरकार की ओर से की गई इस महत्वपूर्ण पहल के तहत प्रत्येक जिले से 100 और कुल 7500 बेटियों को एक दिन का अधिकारी बनने का अवसर मिलेगा। इससे इनमें निपुणता और नेतृत्व क्षमता का विकास होगा। इसकी योजना तैयार कर ली गई है।

बनेंगी डीएम, सीडीओ, बीएसए

प्रदेश सरकार के बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य बालिकाओं को प्रशासनिक जिम्मेदारियों का अनुभव देना और उनके आत्मविश्वास व नेतृत्व गुणों का विकास

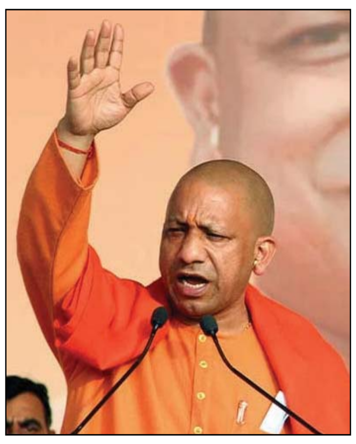

करना है। चयनित बालिकाएं डीएम, सीडीओ, बीएसए, खंड विकास अधिकारी, तहसीलदार, डीआईओएस जैसे पदों पर एक दिन के लिए कार्य करेंगी। कासगंज की टॉपर भूमिका और संभल की शालू पहले ही इस योजना के तहत एक दिन की जिलाधिकारी बन चुकी हैं, जिन्होंने सफलतापूर्वक अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। सरकार का यह प्रयास बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ समाज में उनके योगदान को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

लीडरशिप का भाव होगा जाग्रत

उन्होंने बताया कि चयन प्रक्रिया में उन बालिकाओं को प्राथमिकता दी जाएगी, जो अपनी निपुणता के लिए जानी जाती हैं और जिनमें लीडरशिप के गुण निखर कर सामने आ रहे हैं। इस कार्यक्रम में सभी जाति, वर्ग और श्रेणियों की बालिकाओं को समान अवसर प्रदान किया जाएगा। सरकार का यह प्रयास बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें प्रशासनिक कार्यों की जमीनी समझ देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मिशन शक्ति के माध्यम से सरकार की यह पहल उन बालिकाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है, जो अपनी नेतृत्व क्षमताओं को पहचानना चाहती हैं और समाज में बदलाव लाने की आकांक्षा रखती हैं।

शालू और भूमिका बन चुकी हैं एक दिन की डीएम

मुख्यमंत्री के आदेश के बाद संभल जिले के बहजोई स्थित कस्तूरबा गांधी विद्यालय की छात्रा शालू और कासगंज जिले की टॉपर छात्रा कुमारी भूमिका को एक दिन के लिए सांकेतिक

लोगों की समस्याओं का करेंगी निस्तारण

इस योजना के तहत चुनी गई बालिकाएं एक दिन के लिए सरकारी अधिकारियों की भूमिका निभाएंगी। वे न सिर्फ लोगों की समस्याओं की सुनवाई करेंगी, बल्कि उनके निस्तारण में भी सक्रिय भागीदारी निभाएंगी। यह अनुभव उन्हें निर्णय लेने की क्षमता और सामर्थ्य को निखारने में मदद करेगा, जो उनके भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा।

रूप से जिलाधिकारी बनाया जा चुका है। इस दौरान शालू ने मिशन शक्ति की बैठक का सफलतापूर्वक संचालन किया, अधिकारियों का परिचय लिया और मिशन शक्ति के कार्यों की रूपरेखा पर निर्देश दिए थे तो कासगंज की टॉपर भूमिका ने महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, और स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज-5 के तहत कासगंज तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में एक दिन का जिलाधिकारी बन जनसमस्याओं की सुनवाई की और उनके समाधान के निर्देश दिए।

रामलीला मंच के पास से हटाये जाने पर दलित दर्शक ने की आत्महत्या

अखिलेश यादव ने साधा निशाना

संवाददाता

कासगंज/लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले में रामलीला मंच के पास से हटाये जाने पर आहत हुए एक दलित दर्शक ने कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक, सोरों थानाक्षेत्र में आयोजित रामलीला के दौरान पुलिस द्वारा कथित तौर पर अपमानित किये जाने से आहत होकर एक दलित दर्शक ने आत्महत्या कर ली। वहीं पुलिस ने बताया कि आयोजकों द्वारा व्यक्ति को शराब के नशे में होने के बाद वहां से हटाया गया।

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इस मामले में मंगलवार को प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि मंच के करीब कुर्सी पर बैठे दलित व्यक्ति को पुलिस

द्वारा अपमानित व पीटे जाने के बाद उसने आत्महत्या कर ली। कासगंज पुलिस की ओर से जारी बयान में बताया गया कि सोरों थाना क्षेत्र केसलेमपुर बीबी इलाके में सोमवार सुबह रमेश चंद्र (45) अपने घर में फंदे से लटका हुआ पाया गया।

पुलिस के अनुसार, रामलीला आयोजन समिति के सभी सदस्यों ने सोरों थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) को एक प्रार्थना पत्र देकर कहा कि रमेश नशे की हालत में कार्यक्रम के दौरान मंच पर आया और बैठ गया, जिसके बाद आयोजकों और ग्रामीणों ने वहां मौजूद पुलिसकर्मियों से उसे हटाने के लिए कहा और तुरंत बाद उसके दोनों भांजे धारा सिंह और मुनेंद्र उसे घर लेकर चले गए। पुलिस ने बताया कि आयोजकों ने बताया कि वह पिछले दो-तीन दिनों से शराब पीकर रामलीला कार्यक्रम में आ रहा था। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में किसी भी तरह की चोट के निशान नहीं हैं और घटना में शामिल दोनों पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से पुलिस लाइन भेज दिया गया है।

पुलिस ने बताया कि मामले की जांच अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार भारतीय कर रहे हैं और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मौसम

अधिकतम तापमान 33.c

न्यूनतम तापमान 24.c

बाजार

सोना	7,177/ g
चांदी	96/ g
संसेक्स	81,634.72
निफटी	25,013.85

हरियाणा की जनता ने कांग्रेस को नकारा : खट्टर

● हमने पहलवानों, किसानों और युवाओं के लिए किया काम

एजेंसी

नई दिल्ली, हरियाणा विधानसभा चुनाव ने राजनीतिक पूवार्नुमानों को झुठलाते हुए एक आश्चर्यजनक परिणाम दिया है। रुझानों के अनुसार, सत्तारूढ़ भाजपा को 90 सीटों वाली हरियाणा विधानसभा में लगभग 5ङ्ग सीटें जीतने की संभावना है। भाजपा ने इसको लेकर जश्न मनाना शुरू कर दिया है। केंद्रीय मंत्री और हरियाणा के पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर का भी बयान सामने आया है। मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि मुद्दा (चुनाव का) यह था कि हमने हरियाणा के पहलवानों, किसानों, युवाओं के लिए जो काम किया है, वह कांग्रेस कभी नहीं कर सकती। खट्टर ने आगे कहा कि मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि इस जीत का श्रेय हमारी पार्टी के कार्यकताओं और राज्य के लोगों को जाता है। हमारे सीएम ने पहले ही कहा था 'एक दिन आएगा जब जनता देगी जवाब और कांग्रेस एक ही बात कहेगी कि ईवीएम खराब है। उन्होंने कहा कि जनता ने कांग्रेस पार्टी को नकार दिया है। जनता ने यह संदेश दिया है कि पीएम मोदी की नीतियों का राज्य की जनता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

हरियाणा की जनशक्ति को पीएम मोदी ने किया नमन

यह विकास और सुशासन की जीत, जम्मू-कश्मीर पर कही बड़ी बात

एजेंसी

नई दिल्ली, हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे के बाद भाजपा अब सरकार बनाने की स्थिति में है। भाजपा 48 सीटों पर जीत हासिल की है। इसी के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा का हृदय से आभार जताया है। मोदी ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि भारतीय जनता पार्टी को एक बार फिर स्पष्ट बहुमत देने के लिए मैं हरियाणा की जनशक्ति को नमन करता हूं। यह विकास और सुशासन की राजनीति की जीत है। मैं यहां के लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हम कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस महाविजय के लिए अथक परिश्रम और पूरे समर्पण भाव से काम करने वाले अपने सभी कार्यकर्ता साथियों को भी मेरी बहुत-बहुत बधाई! आपने ना केवल राज्य की जनता-जनार्दन की भरपूर सेवा की है, बल्कि विकास के हमारे एजेंडे को भी उन तक पहुंचाया है। इसी का नतीजा है कि भाजपा को हरियाणा में यह ऐतिहासिक जीत हासिल हुई है। वहीं, जम्मू-कश्मीर के नतीजों पर मोदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में ये चुनाव बेहद खास रहे हैं। अनुच्छेद 370 और 35 (ए) को हटाने के बाद पहली बार आयोजित किया गया और इसमें भारी मतदान हुआ, जिससे लोकतंत्र में लोगों के विश्वास का पता चला। मैं इसके लिए जम्मू-कश्मीर के प्रत्येक व्यक्ति को बधाई देता हूं।

मोदी ने कहा कि मुझे जम्मू-कश्मीर में भाजपा के प्रदर्शन पर गर्व है। मैं उन सभी को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने हमारी पार्टी को वोट दिया और हम पर भरोसा जताया। मैं लोगों को आश्वस्त करता हूं कि हम जम्मू-कश्मीर के कल्याण के लिए काम करते रहेंगे।' मैं हमारे कार्यकताओं के मेहनती प्रयासों की भी सराहना करता हूं। उन्होंने कहा कि मैं जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में सराहनीय प्रदर्शन के लिए जेकेएनसी को बधाई देना चाहता हूं।

संक्षिप्त समाचार

कश्मीर से लेकर पंजाब तक लोगों का रास आ रही कुशीनगर के केले की मिठास

संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार द्वारा एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) घोषित बुद्ध महापरिनिर्वाण की धरती कुशीनगर के केले की मिठास पंजाब से लेकर कश्मीर तक के लोग ले रहे हैं। दिल्ली, मेरठ, गाजियाबाद, चंडीगढ़, लुधियाना और भटिंडा तक जाता है कुशीनगर का केला। यही नहीं गोरखपुर मंडल से संबद्ध सभी जिलों और कानपुर में भी कुशीनगर के केले की धूम है। नेपाल और बिहार के भी लोग कुशीनगर के केले के मुरीद हैं।

कुशीनगर में करीब 16 हजार हेक्टयर रकबे पर हो रही केले की खेती

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से संबद्ध कुशीनगर कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी अशोक राय के मुताबिक यहां के किसान फल और सब्जी दोनों के लिए केले की फसल लेते हैं। इनके रकबे का अनुपात 70 और 30 फीसद का है। खाने के लिए सबसे पसंदीदा प्रजाति जी-9 और सब्जी के लिए रोबेस्टा है। जिले में लगभग 16000 हेक्टेयर में केले की खेती हो रही है।

ओडीओपी घोषित होने के बाद और बढ़ा केले की खेती का क्रेज

योगी सरकार द्वारा केले को कुशीनगर का एक जिला एक उत्पाद घोषित करने के बाद केले की खेती और प्रसंस्करण के जरिये सह उत्पाद बनाने का क्रेज बढ़ा है। कुछ स्वयंसेवी संस्थाएं केले का जूस, चिप्स, आटा, अचार और इसके तने से रेशा निकालकर चटाई, डलिया एवम चप्पल आदि भी बना रहीं हैं। इनका खासा क्रेज और मांग भी है।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज में इस्तीफों की झड़ी

जूनियर डॉक्टरों के समर्थन में 40 ने किया पद छोड़ने का फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली, आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के 40 से अधिक वरिष्ठ डॉक्टरों ने अपने कनिष्ठ सहयोगियों के समर्थन में 8 अक्टूबर को अपना इस्तीफा दे दिया, जो 10 मांगों की सूची के साथ धर्मतला में भूख हड़ताल पर हैं। आज इस्तीफा देने वाले वरिष्ठ डॉक्टरों के बयान के अनुसार, सामूहिक इस्तीफे का उद्देश्य अपनी मांगों को पूरा करना है। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे जूनियर

डॉक्टर 5 अक्टूबर को आमरण अनशन पर बैठ गए और दावा किया कि पश्चिम बंगाल सरकार ने उनकी मांगें पूरी नहीं की हैं। डॉक्टरों ने शुक्रवार को धर्मतला में डोरिना क्रॉसिंग पर धरना शुरू कर दिया था, जिसमें राज्य सरकार को वादे के मुताबिक उनकी मांगों को पूरा करने के लिए 24 घंटे की समय सीमा तय की गई थी। एक जूनियर डॉक्टर ने कहा कि राज्य सरकार समय सीमा में विफल रही है और इसलिए हम अपनी मांगें पूरी होने तक आमरण अनशन शुरू कर रहे हैं। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए, हमने मंच पर सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं, जहां हमारे सहयोगी अनशन करेंगे। डॉक्टर ने कहा कि वे वादे के मुताबिक ड्यूटी ज्वाइन करेंगे लेकिन कुछ नहीं खाएंगे। बीते दिनों आरजी कर कॉलेज और अस्पताल में डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या मामले में मुख्य आरोपी संजय रॉय के खिलाफ सीबीआई ने आरोप पत्र दाखिल कर दिया है। घटना में सामूहिक बलात्कार का कोई सबूत नहीं मिला है। डेढ़ महीने की लंबी जांच, कई गवाहों और आरोपियों के बयान दर्ज करने और डीएनए परीक्षण सहित विस्तृत फोरेंसिक विश्लेषण के बाद कोलकाता की एक विशेष अदालत के समक्ष दायर अपने आरोप पत्र में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कहा कि रॉय ने कथित तौर पर 9 अगस्त को अपराध किया था जब पीड़िता सो गई थी। सीबीआई ने कहा कि सारे सबूत संजय रॉय की संलिप्तता की ओर इशारा करते हैं। मामले में आगे की जांच जारी है। सीबीआई चार्जशीट में 200 लोगों के बयान दर्ज हैं।

विदेश में जाकर देश का अपमान करने वालों को जनता ने सिखाया सबक

● भाजपा की जीत के बाद अमित शाह का राहुल पर वार

एजेंसी

नई दिल्ली, हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे के बाद भाजपा अब सरकार बनाने की स्थिति में दिखाई दे रही है। भाजपा 48 सीटों पर जीत हासिल करती हुई दिख रही है। वहीं, कांग्रेस काफी पीछे रही है। इन सबके बीच केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने हरियाणा की जनता का आभार जताया है। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा कि हरियाणा में भाजपा की यह प्रचंड जीत किसानों, गरीबों, पिछड़ों, जवानों और युवाओं का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में अटूट विश्वास की जीत है। भाजपा नेता ने कहा कि वीरभूमि की जनता ने जाति और क्षेत्र के आधार पर बाँटने वाली कांग्रेस की नकारात्मक और विभाजनकारी राजनीति को पूरी तरह नकारते हुए भाजपा के 10 वर्षों के विकास और गरीब कल्याण के ट्रैक रिकॉर्ड को चुना है। राहुल गांधी पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि अपने वोट बैंक के लिए विदेश में जाकर देश का अपमान करने वालों को किसानों और जवानों की भूमि हरियाणा ने सबक सिखाया है।

सेना-सुरक्षा बलों की छापेमारी!

मणिपुर में हथियारों का जखीरा बरामद, हथगोला और मशीन गन भी मिली

एजेंसी

नई दिल्ली, भारतीय सेना, असम राइफल्स, मणिपुर पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों द्वारा 4 से 6 अक्टूबर तक मणिपुर के कई जिलों में चलाए गए संयुक्त अभियान के दौरान हथियारों और गोला-बारूद का एक बड़ा जखीरा जब्त किया गया। चूराचांदपुर, काकचिंग और थौबल जिलों में गोला-बारूद और युद्ध संबंधी सामान समेत कुल 18 हथियार बरामद किए गए।

चुराचांदपुर गोला-बारूद, हथियार बरामद

4 अक्टूबर को असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस ने चुराचांदपुर में एक अभियान चलाया, जिसमें एक 9 एमएम पिस्तौल, पांच सिंगल बैरल राइफल और पांच इम्प्रोवाइज्ड भारी मोर्टार बरामद किए गए। अगले दिन खुफिया जानकारी के आधार पर

काकचिंग जिले में एक संयुक्त अभियान में तीन कार्बाइन मशीन गन, एक 9 एमएम पिस्तौल, दो सिंगल बैरल राइफल, हैंड ग्रेनेड और युद्ध के सामान बरामद किए गए।

मणिपुर के काकचिंग में भी विस्फोटक का जखीरा जब्त

मणिपुर के काकचिंग और थौबल जिलों में सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान के दौरान हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक का जखीरा जब्त किया है। सोमवार को पुलिस ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया है कि सुरक्षा बलों ने पांच अक्टूबर को काकचिंग जिले के वबागई नतेखोंग तुरेनमेई इलाके में तलाशी अभियान के दौरान मैगजीन के साथ तीन कार्बाइन, एक एयर गन राइफल और नौ मिमी की पिस्तौल, दो सिंगल बैरल बंदूकें, 14 ग्रेनेड, एक 51 मिमी का मोर्टार, दो एमके-तृतीय ग्रेनेड, 4.755 किलोग्राम विस्फोटक आईईडी का एक संदिग्ध कंटेनर जब्त किया।

मखाना की खेती को प्रोत्साहित कर किसानों की आय बढ़ाएगी सरकार

एजेंसी

गोरखपुर। किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए सरकार सतत प्रोत्साहन की योजनाएं लागू कर रही है। इसी सिलसिले में किसानों की आय बढ़ाने के लिए योगी सरकार ने मखाना की खेती के लिए किसानों को अनुदान देने की व्यवस्था बनाई है। इसके लिए सरकार का विशेष ध्यान मखाना की सर्वाधिक खेती करने वाले बिहार के मिथिलांचल के समतुल्य जलवायु वाले पूर्वांचल पर है। सरकार ने पूर्वांचल के 14 जिलों में अनुदान पर मखाना की खेती के लिए लक्ष्य तय कर दिया है। इसमें गोरखपुर मंडल के देवरिया जिले में बीते साल से मखाना की खेती शुरू हो गई है जबकि मंडल के तीन अन्य जिलों गोरखपुर, महाराजगंज और कुशीनगर को कुल 33 हेक्टेयर में मखाना की खेती कराने का लक्ष्य दिया गया है। वैज्ञानिक अध्ययन में पाया गया है कि गोरखपुर मंडल की जलवायु में मिथिला जैसी उत्पादकता देने का सामर्थ्य है।

मखाना की खेती ऐसी जगहों के लिए अधिक उपयुक्त है जहां खेतों में काफी पानी जमा रहता है। गोरखपुर मंडल में तालाबों की पर्याप्त संख्या तो है ही मंडल के कई ब्लॉक ऐसे हैं जहां लो लैंड एरिया में बारिश का पानी खेतों में काफी समय तक भरा रहता है। जाहिर सी बात है कि इन खेतों के किसान मखाना की खेती अपनाकर मालामाल हो सकते हैं। सरकार की तरफ से मखाना खेती के लिए अनुदान की व्यवस्था भी इसी मंशा से की गई है। सरकार की इस पहल का उद्देश्य किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाना है।

गोरखपुर मंडल के देवरिया जिले में मखाना की खेती का प्रयोग गत वर्ष ही शुरू हो चुका है। यहां के कई प्रगतिशील किसान और मत्स्यपालक राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केंद्र दरभंगा से मखाना का बीज मंगाकर खेती कर रहे हैं। इस तरह देवरिया मखाना खेती की शुरूआत करने वाला पूर्वांचल का पहला जिला बन चुका है। इस साल देवरिया में करीब पांच हेक्टेयर रकबे में मखाना की फसल तैयार है। अब सरकार मंडल के अन्य जिलों के किसानों को भी इससे जोड़ने में जुट गई है। मसलन देवरिया के बगल में कुशीनगर जिले में 13 हेक्टेयर रकबे में मखाना की खेती कराने का लक्ष्य मिला है। इसमें से अबतक 8 हेक्टेयर से अधिक रकबे में खेती करने के लिए 16 किसानों का प्रस्ताव उद्यान विभाग ने मंजूर भी कर लिया है। गोरखपुर में 10 हेक्टेयर रकबे में मखाना की खेती कराने का उद्यान विभाग को दिया गया है।

40 प्रतिशत लागत की भरपाई अनुदान से

उद्यान विभाग में पंजीकरण कराकर मखाना की खेती करने वाले किसानों को सरकार प्रति हेक्टेयर 40 हजार रुपये का अनुदान देगी। एक हेक्टेयर में मखाना की खेती करने में करीब एक लाख रुपये की लागत आती है। ऐसे में लागत की 40 प्रतिशत भरपाई तो अकेले सरकारी अनुदान से ही हो जाएगी। एक हेक्टेयर के तालाब या पानी लगे खेत में औसतन प्रति हेक्टेयर 25 से 29 क्विंटल पैदावार हासिल होती है। वर्तमान में अच्छी क्वालिटी के मखाना का प्रति किलो थोक भाव औसतन एक हजार रुपये है।

नर्सरी डालने से लेकर फसल तैयार होने में लगता है दस माह

मखाना की खेती तालाब या औसतन तीन फीट पानी भरे खेत में होती है। नवंबर महीने में इसकी नर्सरी डाली जाती है और चार माह बाद (फरवरी-मार्च में) इसकी रोपाई की जाती है। रोपाई के करीब पांच महीने बाद पौधों में फूल लगने लगते हैं। अक्टूबर-नवम्बर में इसकी कटाई शुरू होती है। नर्सरी डालने से लेकर कटाई तक कुल दस माह का समय फसल तैयार होने में लगता है। मखाना की खेती उन किसानों के लिए तो और भी फायदेमंद है जो पहले से अपने निजी तालाबों में मछली पालन करते हैं।

सम्पादकीय

धीरे-धीरे पटरी पर लौट रहे भारत-मालदीव के रिश्ते

कई उतार चढ़ाव से गुजरते हुए भारत व मालदीव के संबंध पटरी पर लौट रहे हैं। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू भारत दौरे पर हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता की है। मालदीव ने भारत के साथ 40 करोड़ डॉलर की मुद्रा अदला-बदली समझौता किया है, इससे मालदीव को विदेशी मुद्रा संकट से निपटने में मदद मिलेगी। भारत ने नेबर फर्स्ट की अपनी नीति को आगे बढ़ाते हुए मालदीव के वैचारिक रूप से चीनपरस्त राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू का गर्मजोशी से स्वागत किया और कई सौगातें भी दीं। भारतीय सेना मालदीव के सैनिकों का प्रशिक्षण करती रहेगी। दोनों देश मुक्त व्यापार समझौते पर गातचीत शुरू करने पर सहमत हुए हैं। देर ही सही पर मालदीव के नए नेतृत्व को समझ आ गया कि भारत के बिना मालदीव का काम नहीं चलेगा। भारत अपने पड़ोसियों के लिए जितना भरोसेमंद है, उतना ही मददगार भी। मोदी व राष्ट्रपति मुइज्जू ने मालदीव में रूपे कार्ड भी जारी किया। इसके अलावा हनीमाधू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नये रनवे का उद्घाटन किया। भारत ने मालदीव को 70 सामाजिक आवास भी सौंपे। भारत थिलाफुशी में एक नये वाणिज्यिक बंदरगाह के विकास में सहायता भी करेगा। भारत ने एक व्यापक समुद्री सुरक्षा साझेदारी का दृष्टिकोण अपनाया है। हालांकि कुछ समय पहले भारत और मालदीव के संबंध तनावपूर्ण हो गए थे। मालदीव में भारत विरोधी अभियान के चलते संबंध लगातार बिगड़ रहे थे। दोनों मुल्क के संबंध एतिहासिक रहे हैं। भारत और मालदीव के बीच राजनयिक और राजनीतिक संबंध वर्ष 1965 से हैं। वर्ष 2008 में लोकतांत्रिक परिवर्तन के बाद से, भारत ने मालदीव में राजनीतिक, सैन्य, व्यापार और नागरिक समाज के लोगों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ गहरे संबंध बनाने में काफी समय लगाया है। कारण है कि भारत के दक्षिण में स्थित, मालदीव हिंद महासागर में अत्यधिक रणनीतिक महत्त्व रखता है, जो अरब सागर और उससे आगे के प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है। इससे भारत को समुद्री यातायात की निगरानी करने और क्षेत्रीय सुरक्षा बढ़ाने की अनुमति मिलती है। भारत और मालदीव के बीच सदियों पुराना गहरा सांस्कृतिक तथा ऐतिहासिक संबंध है। 12वीं शताब्दी के पूर्वार्ध तक, बौद्ध धर्म मालदीव में प्रमुख धर्म था। वज्रयान बौद्ध धर्म का एक शिलालेख है, जो प्राचीन काल में मालदीव में मौजूद था। मालदीव के लिए भारत चावल, मसालों, फलों, सब्ज़ियों और दवाओं सहित रोज़मर्रा की आवश्यक वस्तुओं का एक महत्त्वपूर्ण आपूर्तिकर्त्ता है। भारत सीमेंट और रॉक बोल्डर जैसी सामग्री प्रदान करके मालदीव के बुनियादी ढांचे के निर्माण में भी सहायता करता है। जब भी कोई संकट आया, जैसे– सुनामी या पेयजल की कमी, भारत ने लगातार सहायता प्रदान की है। भारत का सुरक्षा सहायता प्रदान करने में ऑपरेशन कैक्टस के माध्यम से वर्ष 1988 में तख्तापलट के प्रयास के दौरान हस्तक्षेप करने तथा मालदीव की सुरक्षा के लिये संयुक्त नौसैनिक अभ्यास आयोजित करने का इतिहास रहा है। मालदीव के पर्यटन विकास में भी में भारत का अहम योगदान है। लेकिन इंडिया आउट राजनीतिक अभियान के चलते दोनों देशों के संबंध में खटास आई। चीन की नजर मालदीव पर है, इसलिए इस अभियान को हवा मिली। आंखमिचौली के बाद अब मालदीव को समझ आ गया है कि भारत कितना जरूरी है। इसलिए राष्ट्रपति मोइज्जू भारत के संबंध सुधारने में जुटे हैं।

निरंतर मजबूत हो रही वायुसेना

वायुसेना दिवस
डॉ. एल. एस. यादव

> 8 अक्टूबर 1932 से धीरे-धीरे प्रगति करती हुई भारतीय वायुसेना अपने 93वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। इन 92 वर्षों के इतिहास में ऐसे कई अवसर आए जब भारतीय वायुसेना के जांबाजों ने शत्रु के दांत खट्टे करके अपनी ताकत का एहसास करवाया। हर चुनौती के समय भारतीय वायुसेना के विमान दुश्मन पर आफत बनकर टूटे हैं। भारत 5.5वीं पीढ़ी के स्टील्थ लड़ाकू विमान विकसित करने की योजना पर काम कर रहा है। डीआरडीओ इसे विकसित कर रहा है। यह भारत का पहला स्टील्थ फाइटर होगा। इसका वजन 27 टन होगा। यह भारी और अधिक हथियार ले जाने में सक्षम होगा। इसके बाद भारतीय वायु सेना की ताकत काफी बढ़ जाएगी।

आठ अक्टूबर 1932 से धीरे-धीरे प्रगति करती हुई भारतीय वायुसेना अपने 93वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। इन 92 वर्षों के इतिहास में ऐसे कई अवसर आए जब भारतीय वायुसेना के जांबाजों ने शत्रु के दांत खट्टे करके अपनी ताकत का एहसास करवाया। हर चुनौती के समय भारतीय वायुसेना के विमान दुश्मन पर आफत बनकर टूटे हैं। हमेशा उन्होंने दुश्मनों को तबाह किया है। प्रत्येक युद्ध को जीतने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई है। वर्तमान में चीन व पाक सीमा पर चुनौतियां काफी बढ़ी हुई हैं। भारतीय वायुसेना के पास इस समय 30 स्क्वॉड्रन लड़ाकू विमान हैं। चीन व पाकिस्तान से मिलने वाली सामरिक चुनौतियों के मद्देनजर भारत के पास लगभग 45 स्क्वॉड्रन लड़ाकू विमान होने चाहिए।

इन चुनौतियों के मद्देनजर भारत सरकार सीमान्त मोर्चों पर किसी भी दुश्मन को कोई अवसर देना नहीं चाहती है। इसके लिए भारत पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान बनाने की योजना पर काम कर रहा है। तैयार होने पर ये विमान विशेषताओं में राफेल विमान से भी ज्यादा शक्तिशाली होंगे। भारत सरकार इसके लिए भारी धनराशि खर्च करने को तैयार है। इसके लिए सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों के 50 से ज्यादा सिस्टम अपग्रेड कर अत्याधुनिक बनाया जाएगा। स्वदेशी तकनीक से अपग्रेड होने के बाद ये विमान काफी खतरनाक हो जाएंगे और अगले तीन दशक तक बेहतर सेवाएं दे सकेंगे। योजना के तहत पहले 84 सुखोई विमानों को अत्याधुनिक बनाया जाएगा। इनमें अत्याधुनिक राडार सिस्टम को लगाया जाएगा। इससे सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों की डिटेक्शन रेंज बढ़ जाएगी। इसके अलावा इनमें अस्त्र मिसाइलों को तैनात किया जाएगा, जिससे 350 किलोमीटर की दूरी तक लक्ष्य को नष्ट करना आसान हो जाएगा। भारतीय वायु सेना ने मुख्य लड़ाकू विमान सुखोई विमानों के इंजन के लिए 9 सितम्बर को 26000 करोड़ रुपये का समझौता हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड(एचएएल) से किया है। केन्द्रीय मंत्रिमंडल की रक्षा मामलों की समिति ने दो सितम्बर को एयरो इंजनों की खरीद के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की थी। इस समझौते के तहत एचएएल सुखोई-30 एमकेआई विमानों के लिए स्वदेशी तकनीक के 240 एयरो इंजन(एएल-31एफपी) तैयार करेगा। इनके निर्माण की जिम्मेदारी उड़ीसा के कोरापुर डिविजन को दी गई है। कोरापुर डिवीजन द्वारा तैयार पहला इंजन एक अक्टूबर को वायु सेना को सौंपा जा चुका है। समझौते के तहत एचएएल हर साल ढाई दर्जन इंजनों की आपूर्ति करेगा। इस तरह 240 इंजनों की आपूर्ति आठ साल में पूरी हो जाएगी। इससे वायु सेना को सुखोई-30 विमान बेड़े की परिचालन क्षमता बनाए रखने में मदद मिलेगी। इंजनों के लिए यह समझौता वायु सेना के लड़ाकू विमानों के स्क्वाड्रन में कमी आने तथा एचएएल द्वारा स्वदेशी तेजस विमानों की आपूर्ति में देरी की चिन्ताओं को दूर करेगा। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक ये इंजन 54 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री से निर्मित होंगे।

भारतीय वायु सेना को दोहरे मोर्चे पर मिल रही रक्षा चुनौतियों को देखते हुए रक्षा मंत्रालय ने वायु सेना के विमानों के बेड़े को ताकतवर बनाने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। अब रूस के साथ सह उत्पादन में नई पीढ़ी के सुखोई-30 एमकेई लड़ाकू विमान बनाए जाएंगे। इसके लिए दोनों देशों के बीच बातचीत चल रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाल में हुई रूस यात्रा के दौरान भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई थी। एचएएल अपने कोरापुर के करखाने को इन विमानों के निर्माण के लिए विशेष रूप से तैयार कर रहा है। वायु सेना के पास इस समय 259 सुखोई विमान है। इनमें सभी संचालन अवस्था में नहीं हैं। ज्यादातर सुखोई विमान 2000 से 2010 के बीच वायु सेना में शामिल किए गए थे। इन्हें हर 15 साल बाद अपग्रेड किया जाता है। अगले 10 वर्षों के बाद इनकी संख्या काफी कम हो जाएगी, इसीलिए वायु सेना के विमान बेड़े में नए अपग्रेडेड सुखोई विमान जोड़ने की तैयारी कर ली गई है।

रूस भारत का सबसे विश्वसनीय दोस्त रहा है। अब रूस ने अपने सुखोई-75 चेकमेट लड़ाकू विमान की खरीद का ऑफर भारत को दिया है। रूस यह लड़ाकू विमान कम कीमत पर देने को राजी है। यही नहीं रूस सुखोई-75 चेकमेट लड़ाकू विमान की तकनीक भी भारत को देने को तैयार है। रूसी रक्षा अधिकारियों का कहना है कि सुखोई-75 चेकमेट उन देशों के लिए बहुत ही अच्छा है जिनकी सीमा पर चुनौतियां ज्यादा हैं। अत्याधुनिक किस्म के ये विमान राडार की पकड़ में नहीं आते हैं। ये एआई से लैस विमान हैं। इनकी गति 1.8 मैक है और यह 3000 किलोमीटर की दूरी तक के लक्ष्य को नेस्तनाबूद करने की क्षमता रखता है। यह विमान 7.4 पेलोड के साथ 54000 से अधिक की ऊंचाई तक उड़ान भर सकता है। यह हवा से हवा तथा हवा से जमीन पर मार करने वाले हथियारों को अपने अंदर छिपाए रखता है। रूसी अधिकारियों के मुताबिक इनकी कीमत कम है। एक सुखोई-75 चेकमेट विमान की कीमत 3 से 3.5 करोड़ डॉलर के लगभग होगी।

भारतीय वायु सेना का विमान बेड़ा बढ़ाने के लिए देश में निर्मित तेजस लड़ाकू विमानों की खरीद की जाएगी। अभी कुछ समय पहले 123 विमानों का आर्डर एचएएल को दिया गया था। अब 97 तेजस और खरीदे जाएंगे। उसके बाद 200 और तेजस विमान लिए जाने की योजना है। भारत में अभी तेजस मार्क-1 बनाए जा रहे हैं। आने वाले दिनों में जीई इंजन एफ-414 वाले तेजस मार्क-2 लड़ाकू विमानों का निर्माण देश में शुरू हो जाएगा। तेजस मार्क-2 का प्रोटोटाइप इसी वर्ष बन जाएगा और अगले वर्ष से इसका उत्पादन प्रारम्भ हो जाएगा। उम्मीद है कि 2026 में इसकी पहली उड़ान पूरी होगी। यह विमान बहुउद्देश्यीय सुपरसोनिक लड़ाकू विमान होगा। इसमें एक या दो क्रू बैठ सकेंगे। इस विमान की लम्बाई 47.11 फुट होगी। इसकी ऊंचाई 15.11 फुट और विंगस्पैन 27.11 फुट के लगभग होंगे। इनकी सबसे बड़ी ताकत इनकी स्पीड है। यह अधिकतम 2385 किलोमीटर प्रति घंटे के गति से उड़ान भरेगा। इसकी कुल रेंज 2500 तथा 1500 किलोमीटर लड़ाकू रेंज होगी। यह 6500 किलोग्राम वजन के हथियार लेकर उड़ सकेगा। भारत 5.5वीं पीढ़ी के स्टील्थ लड़ाकू विमान को विकसित करने की योजना पर काम कर रहा है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) इसे विकसित कर रहा है। यह भारत का पहला स्टील्थ फाइटर होगा। इसका वजन 27 टन होगा। यह भारी और अधिक हथियार ले जाने में सक्षम होगा। उपर्युक्त विमानों के मिलने के बाद भारतीय वायु सेना की ताकत काफी बढ़ जाएगी। इस तरह वह चीन व पाकिस्तान के दोनों मोर्चों पर किसी भी स्थिति से निपटने में सक्षम होगी।

(लेखक सैन्य विज्ञान के प्राध्यापक रहें हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मुद्दा
आर के विज

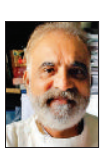

चाइल्ड पोर्नोग्राफी पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला महत्वपूर्ण

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में मद्रास हाई कोर्ट के एक निर्णय को पलटते हुए स्पष्ट निर्णय दिया है कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी को डाउनलोड करना सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (आईटी एक्ट) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम के तहत एक गंभीर अपराध है। सुप्रीम कोर्ट ने पोक्सो की धारा 15की व्याख्या करते हुए कहा कि इसके तीनों खंड अलग-अलग स्वतंत्र तीन अपराध हैं। यदि कोई व्यक्ति चाइल्ड पोर्नोग्राफी डाउनलोड करता है और उसे तत्काल नष्ट नहीं करता और न ही पुलिस को उसकी रिपोर्ट करता है तो उसे धारा 15(1) के तहत अपराध माना जाएगा। इसी प्रकार, यदि ऐसी आपत्तिजनक सामग्री डाउनलोड करने के बाद व्यक्ति उसे दूसरों के साथ साझा करने के लिए कुछ कदम उठाता है तो वह धारा 15(2) के तहत तुलनात्मक रूप से पहले से गंभीर अपराध के लिए जिम्मेदार होगा। इसी प्रकार, यदि आपत्तिजनक सामग्री डाउनलोड करने के बाद वह उसे मुनाफे के लिए लोगों से साझा करने के लिए कोई कदम उठाता है वह धारा 15(3) के तहत एक पृथक एवं स्वतंत्र अपराध का भागी होगा। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि धारा 15 की तीनों उप-धाराओं में चाइल्ड पोर्नोग्राफी को दूसरों से साझा करना जरूरी नहीं है। यदि व्यक्ति द्वारा डाउनलोड सामग्री नष्ट नहीं की जाती है तो अपराध के लिए आवश्यक मंशा की अवधारणा की जा सकती है। पोक्सो की धारा 30 के तहत इस अवधारणा का आरोपी द्वारा विरोध किया जा सकता है, परंतु उसे यह संदेह से परे सिद्ध करना होगा कि उसकी मंशा धारा 15 के तहत अपराध करने की नहीं थी। सुप्रीम कोर्ट ने धारा 15 के अपराधों को अपूर्ण या अपरिपक्व अपराध, अर्थात गंभीर अपराध घटित करने से पहले की तैयारी वाले अपराध की संज्ञा दी, परंतु इन अपराधों में पुलिस और अभियोजन को आपत्तिजनक सामग्री पर आरोपी का भौतिक या रचनात्मक (कंस्ट्रक्टिव) कब्जा सिद्ध करना जरूरी होगा। ऐसा कब्जा सिद्ध करने पर ही अपराध के लिए आवश्यक मंशा की अवधारणा की जा सकेगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी माना कि आईटी एक्ट की धारा 67(बी) चाइल्ड पॉर्नोग्राफी अपराध संबंधी एक पूर्ण कोड है, जिसकी उप-धारा (बी) के अंतर्गत चाइल्ड पोर्नोग्राफी को ढूंढना, ब्राउजिंग करना, या डाउनलोड करना एक दंडनीय अपराध है। कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट को केवल प्राथमिक सूचना प्रतिवेदन के आधार पर नहीं बल्कि आरोप-पत्र सहित विवेचना में जुटाई गई समस्त सामग्री का संज्ञान लेने के बाद ही कोई आदेश जारी करना चाहिए था। जब पुलिस द्वारा आरोप-पत्र पोक्सो की धारा 15 के तहत दर्ज किया गया था तो कोर्ट केवल प्राथमिक सूचना प्रतिवेदन के समय लगाई गई धारा 14 के तहत अंतर्गत निर्णय नहीं कर सकती। फलस्वरूप, सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट के आदेश को गलत ठहराते हुए कहा कि ट्रायल कोर्ट मुकदमे की सुनवाई कर मेरिट पर उसका निराकरण करें। सुप्रीम कोर्ट ने इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स/ मध्यवर्ती संस्थाएं की भूमिका पर भी सवाल उठाए। वर्तमान में गृह मंत्रालय के तहत एनसीआरबी द्वारा अमेरिका की एक संस्था 'नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एवं एक्सप्लोइटेड चिल्ड्रन' से एक अनुबंध के तहत इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स द्वारा चाइल्ड पोर्नोग्राफी संबंधी सामग्री उपरोक्त संस्था से साझा की जाती है, परंतु पोक्सो के तहत ऐसी आपत्तिजनक सामग्री के संबंध में स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना नहीं दी जाती। पोक्सो नियम का नियम 11, इंटरमेडयरीज पर बंधनकारी है जो यह प्रावधान करता है कि पोक्सो के तहत अपराधों की सूचना अनिवार्य रूप से पुलिस को देना एवं आपत्तिजनक सामग्री को एविडेंस हेतु सुरक्षित रखना जरूरी है। यदि इंटरनेट संस्थाएं ड्यू डिलिजेंस के तहत ऐसा करने में विफल रहती हैं तो उन्हें आईटी एक्ट की धारा 79 के तहत 'सेफ हार्बर' की छूट नहीं दी जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने कानून में उपयोग की जाने वाली शब्दावली 'चाइल्ड पोर्नोग्राफी' के उपयोग पर भी आपत्ति जताई। चाइल्ड पोर्नोग्राफी शब्द बच्चों के शोषण के सही रूप एवं अर्थ को नहीं दर्शाता, बल्कि कहीं न कहीं सहमति की ओर इंगित करता है। इसलिए कोर्ट ने केंद्र सरकार को पोक्सो में एक संशोधन लाकर चाइल्ड पोर्नोग्राफी के स्थान पर 'बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार सामग्री' को प्रतिस्थापित करने के लिए भी निर्देश दिए। समग्र रूप से देखा जाए तो सुप्रीम कोर्ट का उक्त आदेश बच्चों को यौन शोषण से सुरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण फैसला है जिसका पालन समाज, इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर, एवं पुलिस सहित संबंधित सरकारी विभागों को ईमानदारी से करना होगा।

(लेखक सेवानिवृत पुलिस महानिदेशक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

व्यक्ति को कैसे मिल सकती है दुखों से मुक्ति

संकलित
दर्शन

छठी शताब्दी ईसा पूर्व में संपूर्ण विश्व दर्शन के नए क्षितिज स्पर्श कर रहा था। चीन में कन्फ्यूशियस और लाओत्से, ईरान में जरथुस्त्र, यूनान में पाइथागोरस नए तर्क गढ़ रहे थे तो भारत में महावीर स्वामी और गौतम बुद्ध वैदिक दर्शन को नया आयाम देने में लगे थे। गौतम बुद्ध ने बताया कि जन्म से लेकर मृत्यु तक संपूर्ण जीवन दुखमय है। मृत्यु भी दुख का अंत नहीं है, बल्कि नए दुख का आरंभ है, क्योंकि मृत्यु के बाद भी पुनर्जन्म होता है। उनका मानना था कि प्राणी की इच्छा अपूर्ण रहती है तो पुनर्जन्म लेना पड़ता है। बुद्ध अनात्मवादी और अनीश्वरवादी तो थे, किंतु भौतिकवादी नहीं थे। उनका मत है कि सृष्टि में जो कुछ है वह क्षणिक है, परिवर्तनशील है। द्वितीय आर्य सत्य है कि प्रत्येक कार्य का कारण अवश्य होता है, जिसे बुद्ध ने प्रतीत्यसमुत्पाद कहा। इस दुख के कारणता सिद्धांत को द्वादश निदान चक्र भी कहा जाता है। इस दुख का मूलभूत कारण अविद्या है। अविद्या से संस्कार या पूर्व में किए गए कर्मो की प्रवृत्तियां उत्पन्न होती हैं। संस्कार से विज्ञान, विज्ञान से नामरूप, नामरूप से षडायतन, षडायतन से स्पर्श, स्पर्श से वेदना, वेदना से तृष्णा, तृष्णा से उपादान, उपादान से भव, भव से जाति, जाति या जन्म से जरा-मरण का दुख भोगना पड़ता है। बौद्ध दर्शन का तृतीय आर्यसत्य दुख-निरोध है। दुखों के मूल कारण अविद्या को दूर करके इसी जीवन में दुखों का अंत किया जा सकता है। दुखों का निरोध ही निर्वाण है।

जब हमसे कोई गलती हो जाए तो उसे स्वीकार करें

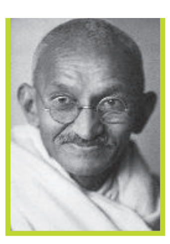

संकलित
प्रेरणा

महात्मा गांधी के बचपन का चर्चित किस्सा है। जब गांधी जी छोटे थे, तब एक दिन उन्होंने अपने ही घर में चोरी कर ली थी। इस बारे में गांधी जी ने भी खुद जिक्र किया था। बालक मोहनदास ने बड़े भाई के सोने के कड़े में से कुछ सोना निकाल लिया था। मोहनदास अपनी कुछ जरूरतें पूरी करना चाहते थे, जिसके लिए उन्हें धन की जरूरत थी। उन्होंने चोरी कर ली, लेकिन बाद अपनी गलती का एहसास हुआ तो उन्हें बहुत पछतावा हुआ। वे सोचने लगे कि अब इस गलती को किसके सामने स्वीकार किया जाए? मोहनदास ने पिता के सामने गलती स्वीकार करने का निश्चय किया। उन्हें डर भी लग रहा था कि अगर चोरी के बारे में बताऊंगा तो सजा भी मिलेगी। मोहनदास ने डरते-डरते अपने पिता को एक चिट्ठी लिखी, चिट्ठी में उन्होंने अपनी गलती के बारे में लिखा था। जब मोहनदास के पिता को चिट्ठी मिली तो उन्होंने उसे पढ़ा। चिट्ठी में पूरी बात लिखने के साथ ही लिखा था कि मैंने गलती की है और मैं अपनी गलती स्वीकार करता हूं, मैं इसकी सजा मानने के लिए भी तैयार हूं। जैसे ही मोहनदास के पिता ने चिट्ठी पढ़ी तो उनकी आंखों से आंसु आ गए और वे मौन हो गए। जबकि मोहनदास ने सोचा था कि पिता से डांट पड़ेगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। पिता के मौन ने गांधी जी की सोच बदल दी, इस घटना के बाद से ही संसार को महात्मा गांधी के रूप में सबसे ईमानदार व्यक्ति मिल गया।

अंतर्मन

आज की पाती

देश के विकास का सपना कैसे होगा पूरा?

अर्थशास्त्री प्रोफेसर अर्मत्य सेन ने कहा है कि विकास का राजनीतिक प्रणाली से कोई संबंध नहीं होता। शिक्षा और स्वास्थ्य में निवेश को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, विकास अपने आप होगा। वहीं दूसरी ओर विदेशी निवेशक चाहते हैं कि भारत की रेल, रोड, हवाई और समुद्री यातायात व्यवस्था में सुधार हों तो नए प्रोजेक्टों में निवेश संभव है। हालांकि केंद्र सरकार इसके लिए काम कर रही है। राष्ट्र को विकसित अकेले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही नहीं बना सकते, इसके लिए जन-जन की भागीदारी सुनिश्चित होना जरूरी है। राष्ट्रवाद की भावना हरेक को अपनाना भी जरूरी है, लेकिन सवाल तो यह है कि स्वार्थी दौर में ऐसा करेगा कौन? जहां देश की मुख्य संस्थाओं को भी कुछ लोग सरकार के हाथों की कठपुतली मानते हों, यह सब तो भारत के विकसित राष्ट्र बनने की राह में बाधा है। **-संजय काले**, रायगढ़

ट्रेंड

संपूर्ण समाज दृष्टिकोण

भारत की स्वास्थ्य प्रणाली प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल और आवश्यक सेवाओं को मजबूत करने पर जोर देने के साथ सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) प्राप्त करने के लिए 'संपूर्ण सरकार' और 'संपूर्ण समाज' दृष्टिकोण को अपनाती है।

-जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री

स्पष्ट विफलताओं पर पर्दा

नरेंद्र मोदी जी वही पुरानी बातें दोहराने वाले आपके बासी व्याख्यान अर्थव्यवस्था के हर पहलू को प्रभावित करने वाली आपकी स्पष्ट विफलताओं पर पर्दा नहीं डाल सकते। घरेलू देनदारियां वास्तविक रूप से 2013-14 से 2022-23 तक 241% की वृद्धि हुई है।

-मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष

सुरक्षा से खिलवाड़ मत करो

याद है न अरविन्द केजरीवाल दिल्ली में सीसीटीवी लगवाने के लिए धरने पर बैठे थे। वो कैमरा प्रधानमंत्री की भतीजी का बैग चुराने वाले को पकड़ने में काम आया। मार्शल हटवाकर महिलाओं की सुरक्षा से खिलवाड़ मत करो बीजेपी वालों।

-संजय सिंह, आप नेता

'सुनो' और 'मौन' एक जैसे

'सुनो' और 'मौन' एक जैसे अक्षर साझा करते हैं, जो हमें सिखाते हैं कि प्रभावी संचार के लिए दूसरों को सुनना और कब रुकना और प्रतिबिंबित करना है, दोनों की आवश्यकता होती है।

-हर्ष गोयनका, उद्योगपति

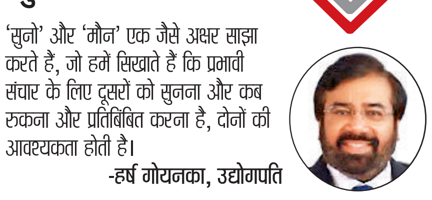

करंट अफेयर

डाउनिंग स्ट्रीट में नए 'चीफ ऑफ स्टाफ' की नियुक्ति

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने एक 'एक बड़ी हस्ती के इस्तीफे' के बाद सोमवार को नए 'चीफ ऑफ स्टाफ' की नियुक्ति की। यह नियुक्ति प्रधानमंत्री की लेबर पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल के पहले 100 दिन पूरे होने के उपलक्ष्य में (ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) '10 डाउनिंग स्ट्रीट' स्थित शीर्ष टीम में व्यापक फेरबदल के बीच की गई है। शीर्ष सिविल सेवक रह चुकीं सू ग्रे को पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने तत्कालीन 'टोरी' सरकार में कोविड-19 महामारी के दौरान महामारी संबंधी कानून का उल्लंघन कर जश्न के आयोजन से संबंधित 'पार्टीगेट' मामले में जांच के लिए नियुक्त किया था। ब्रिटेन में कंजरवेटिव पार्टी के लिए 'टोरी' शब्द का इस्तेमाल किया जाता है। ग्रे ने स्टॉर्मर के शीर्ष सहयोगी के पद से यह कहकर इस्तीफा दे दिया कि उनके वेतन के बारे में मीडिया में आ रही खबरें 'सरकार के लिए ध्यान भटकाने वाली हो सकती हैं।' हाल में आई कुछ खबरों में ग्रे और स्टॉर्मर के मुख्य सलाहकार मॉर्गन मैकस्वीनी के बीच तनाव की बात कही गई थी और कहा गया था कि वह प्रधानमंत्री से ज्यादा कमा रही हैं। 'बीबीसी' ने बताया है कि ग्रे का वार्षिक वेतन 170,000 पाउंड था, जो स्टॉर्मर को मिलने वाले वेतन से लगभग 3,000 पाउंड ज़्यादा है।

ऑफ बीट

क्या कुत्ता पालना आपके स्वास्थ्य के लिए सही है?

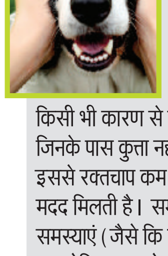

एक साथी के तौर पर कुत्ता पहली पसंद होता है लेकिन मानसिक स्वास्थ्य को कुत्ता पालने का दूसरा सबसे आम कारण बताया जाता है। हम में से कई लोग कहते हैं कि कुत्ता पालने से हम ''स्वस्थ महसूस करते हैं'' – और उन्हें अपने शयनकक्ष में सोने देते हैं। कुत्तों के साथ अपने घरों को साझा करना हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए क्या मायने रखता है? क्या कुत्ता पालने से कोई शारीरिक स्वास्थ्य लाभ होता है? कुत्ता पालने से कालांतर में मृत्यु का जोखिम कम होता है। 2019 में, एक व्यवस्थित समीक्षा में 70 वर्षों में प्रकाशित साक्ष्य एकत्र किए गए, जिसमें लगभग 40 लाख चिकित्सा मामले शामिल थे। इसमें पाया गया कि जिन लोगों के पास कुत्ता था, उनके किसी भी कारण से मरने का जोखिम उन लोगों की तुलना में 24 प्रतिशत कम था, जिनके पास कुत्ता नहीं था। कुत्ता पालने का संबंध बढ़ी हुई शारीरिक गतिविधि है। इससे रक्तचाप कम होता है और आघात व हृदय रोग के खतरे को कम करने में मदद मिलती है। समीक्षा में पाया गया कि जिन लोगों को पहले से हृदय संबंधी समस्याएं (जैसे कि दिल का दौरा पड़ना) थीं, उनके कुत्ते के साथ रहने से मरने का जोखिम उन लोगों के मुकाबले 35 प्रतिशत तक कम हो गया, जो दिल की ऐसी ही बीमारियों से पीड़ित थे लेकिन उन्होंने कुत्ता नहीं पाला हुआ था।

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

सहेली

हमारी सांस्कृतिक-आध्यात्मिक परंपरा में दशहरे के पर्व का सदियों से विशेष महत्व है। हर वर्ष यह पर्व याद दिलाता है कि अन्यायी, अत्याचारी व्यक्ति कितना ही बलशाली क्यों ना हो, उसकी हार निश्चित है। और जो नैतिकता और सत्य के साथ खड़ा है, उसकी विजय निश्चित है। इसके अलावा पर्व में और भी कई संदेश निहित हैं। इस पर्व के संदेशों को अमल में लाकर आदर्श परिवार-समाज के निर्माण और विकास में सहायक बनिए।

मन की बुराइयों का करें अंत अपनाएं सद्गुण

आवरण कथा

पूनम कंडारी

पौराणिक कथा के अनुसार अंहकारी-अत्याचारी रावण का वध करके, मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने धरा को पापों से मुक्त किया था, जनमानस भय मुक्त हुआ था। तभी से रावण वध और श्रीराम की विजय के रूप में दशहरे का पर्व मनाया जाने लगा। उसी समय से ही यह उत्सव प्रतीक बन गया, बुराई पर अच्छाई की जीत का। लोग इस संदेश को कभी ना भूलें, इसलिए आज भी दशहरे के दिन रावण का पुतला जलाया जाता है, उसे सांकेतिक रूप से मारा जाता है। लेकिन यह पर्व महज एक सांस्कृतिक-आध्यात्मिक रीति भर नहीं है। इसमें हमारे लिए गहरे संदेश छिपे हैं। अगर हम दशहरे के पर्व में निहित अर्थों को समझें और उन्हें अमल में लाएं, तो स्वयं के जीवन को सही दिशा दे सकते हैं, साथ ही समाज में भी सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। इस बदलाव को लाने में महिलाएं बड़ी ही अहम भूमिका निभा सकती हैं। वे भावी पीढ़ी के मन और व्यवहार में दशहरे पर्व के संदेशों को रोपित करके, एक आदर्श परिवार-समाज का निर्माण कर सकती हैं। कैसे, इसे और विस्तार से समझते हैं-

अपने भीतर की बुराइयों को करें दूर

दशहरे पर्व का पहला संदेश यही है, बुराई कभी भी जीत नहीं सकती है। विजय हमेशा अच्छाई की होती है। जैसे बलशाली रावण को लगता था कि वह कितने ही पाप कर ले, उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता है, लेकिन उसकी यह सोच गलत साबित हुई, जब श्रीराम ने उसका वध किया। ऐसा वह इसलिए कर पाए, क्योंकि वह हमेशा नैतिकता के मार्ग पर चले, असहाय लोगों के लिए उनके मन में करुणा और प्रेम के भाव थे। इस तरह देखा जाए तो राम अच्छाई के प्रतीक हैं, रावण बुराई का। आज के समय में अच्छाई-बुराई हमारे मन में ही वास करती है। ईर्ष्या, द्वेष, अहंकार, क्रोध और लोभ बुराई के ही रूप हैं। वहीं प्रेम, करुणा, दया, क्षमा और सत्य-निष्ठा अच्छाई के रूप हैं। अगर मन पर रावण रूपी बुराई हावी होगी तो जीवन में बुरे परिणाम सामने आएंगे, वहीं मन पर राम रूपी अच्छाई की प्रधानता होगी तो सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। इसलिए दशहरे के उत्सव से प्रेरणा लेकर हम मन के भीतर बैठी बुराईयों का अंत करें, और सद्गुणों को महत्व दें। आप अगर एक गृहिणी हैं, पत्नी हैं और मां हैं तो अच्छे गुणों को अपने और अपने परिवार के जीवन में स्थापित कीजिए। पत्नी होने के नाते, अपने पति को गलत काम करने से रोकिए, उनको ईमानदारी की राह पर चलने के लिए प्रेरित कीजिए। वहीं अगर आप मां हैं तो अपने बच्चों को श्रीराम की तरह नैतिकता की राह पर चलने की प्रेरणा दें, उन्हें एक करुणामयी, दयावान और सत्य-निष्ठ इंसान बनाएं।

मुश्किलों से कभी हार ना मानें

दशहरे का दूसरा संदेश यह है कि मुश्किलों से कभी भी हार नहीं मानें। इसका उदाहरण श्रीराम की जीवन यात्रा है। जब उन्हें राजा बनना था, तब वनगमन का आदेश मिला गया। राजमहल का सुख त्याग, वनवासी का जीवन उन्हें गुजारना पड़ा। वन निवास के समय पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ, उन्हें बार-बार राक्षसों का सामना करना पड़ा, उनसे मुकाबला करना पड़ा। अंत में रावण, श्रीराम की पत्नी सीता का अपहरण करके ले गया। सीता जी की तलाश में श्रीराम लंका तक पहुंचे, रावण से युद्ध किया, उसका विनाश किया और अपनी पत्नी सीता को प्राप्त किया। इस तरह देखा जाए तो राम ने कभी भी कठिनाइयों के आगे हार नहीं मानी। उन्होंने बड़ी से बड़ी मुश्किलों का सामना साहस के साथ किया और हमेशा विजयी रहे। हमें भी उनसे प्रेरित होकर, अपने जीवन में आने वाली समस्याओं का सामना करना चाहिए। खासकर महिलाओं को चाहिए कि वे पारिवारिक, सामाजिक समस्याओं का सामना होने पर टूटे नहीं, उनका डटकर मुकाबला करें। यही सीख अपने बच्चों को भी दें, उन्हें दृढ़ निश्चयी और साहसी बनाएं।

एकजुट होकर रहने की सीख

दशहरे का तीसरा संदेश, एकता के महत्व पर बल देता है। संगठित होने की शक्ति को बताता है। जैसे श्रीराम जब रावण से युद्ध करने के लिए लंका जाना चाहते थे, तो उनके सामने विशाल सागर था। उस सागर को पार करना असंभव था, लेकिन श्रीराम ने सागर पर लंका तक पुल बनाने का निर्णय लिया। इसके लिए उन्होंने अपने आस-पास उपस्थित लोगों की सहायता ली। हनुमान जी, वानर राज सुग्रीव, नल-नील और वानर सेना ने एक साथ आकर, विशाल सागर पर कुछ ही दिनों में राम नाम लिखे पत्थरों का एक पुल बना दिया। पौराणिक कथानुसार तो एक नन्ही गिलहरी ने भी छोटे-छोटे कंकड़ लाकर सागर में डाले और पुल निर्माण में अपना सहयोग दिया। इस तरह एकजुट होकर, सभी ने लंका तक पुल बनाया, श्रीराम की सहायता की और अत्याचारी रावण के वध में अहम भूमिका निभाई। कहने का अर्थ यही है कि अगर हम भी परिवार और समाज में सबको साथ लेकर चलें, तो तमाम तरह की समस्याओं का हल निकाल सकते हैं। खासकर भावी पीढ़ी को एकजुट रहने की शिक्षा मांओं द्वारा दी जाए तो देश में वैमनस्य और अशांति को दूर किया जा सकता है, शांति और खुशहाली लाई जा सकती है।

जब इस बार आप दशहरे का पर्व मनाएं तो इस पर्व के संदेशों को समझें और संकल्प लें, इन्हें अमल में लाने का प्रयास करें। साथ ही भावी पीढ़ी को भी दशहरे पर्व के निहितार्थ बताएं।

स्त्री अस्मिता की रक्षा का प्रण लें

दशहरे का पर्व सिर्फ अच्छाई और बुराई के बीच का संघर्ष नहीं है। यह स्त्री अस्मिता की रक्षा की भी कहानी है। श्रीराम ने रावण से भीषण युद्ध केवल इसलिए नहीं किया कि उसने, उनकी पत्नी का अपहरण किया था। बल्कि श्रीराम ने रावण का वध इसलिए किया, क्योंकि उसने एक स्त्री की अस्मिता का अपमान किया था। रावण को मारकर, श्रीराम ने समाज को संदेश दिया कि स्त्री अस्मिता की रक्षा सबसे ऊपर है, उसके लिए जो भी करना पड़े, वह धर्मसंगत है। आज के समय में तो यह संदेश और भी ज्यादा महत्व रखता है, क्योंकि इस कलयुग में अनेकानेक रावण हमारे आस-पास मौजूद हैं, जो हमारी बहन-बेटियों की अस्मिता का हरण करते हैं, उनके साथ अत्याचार करते हैं। हमें भी इन रावणों का अंत करना होगा। लेकिन ऐसा तभी संभव होगा, जब हम अपनी बेटियों को सबल-सशक्त बनाएंगे। साथ ही अपने बेटों को स्त्री सम्मान की सीख देंगे। तभी समाज में बदलाव आएगा और स्त्रियों की अस्मिता की रक्षा होगी।

अगर हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे, श्रीराम की तरह आदर्श जीवन-मूल्यों पर चलें तो बचपन से ही उन्हें संस्कारवान बनाएं। बच्चों में माता-पिता सर्वप्रथम कौन-से गुण विकसित करें, जो वे सुसंस्कृत होकर एक सफल इंसान बनें, आप भी जानिए।

बच्चों को सिखाएं श्रीराम के जीवन मूल्य

बच्चे और आप

सरस्वती रमेश

श्रीराम को यों ही 'मर्यादा पुरुषोत्तम राम' नहीं कहा जाता। जीवन के हर क्षेत्र में उन्होंने अपने आचरण से एक नही कई आदर्श प्रस्तुत किए। उनके जैसा धीर-गंभीर, आदर्श और ओजस्वी व्यक्ति पौराणिक युग में कोई दूसरा नही हुआ। आज हमारी संतानें भारतीय संस्कृति से दूर होकर संस्कारहीन हो रही हैं। इसके कारण अनेक सामाजिक बुराइयां जन्म ले रही हैं। समाज में अराजक तत्व बढ़ रहे हैं। इससे समाज भी बिखर रहा है। इसलिए यह बहुत आवश्यक है, हम श्रीराम के जीवन मूल्यों को अपनाने के लिए अपने बच्चों को प्रेरित करें। इससे हमारे बच्चे अनेक बुराइयों से बचेंगे, अपना जीवन नैतिक मूल्यों के साथ जी सकेंगे। आइए जानें, हम अपने बच्चों के आचरण में कौन-से जरूरी गुण स्थापित करें।

माता-पिता का आदर: श्रीराम एक आज्ञाकारी पुत्र होने का आदर्श प्रस्तुत करते हैं। पिता के वचन की रक्षा के लिए उन्होंने चौदह वर्ष का वनवास सहर्ष स्वीकार किया। माता-पिता का आदर करने की जो भावना श्रीराम ने दिखाई, हम अपने बच्चों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

सभी का सम्मान: श्रीराम ना सिर्फ अपने माता-पिता की आज्ञा का पालन करते थे, साथ ही अपने गुरु और बड़ों को भी मान-सम्मान देते थे। सीता स्वयंवर में जब शिव का धनुष टूटने से परशुराम जी क्रोधित हो गए, तब श्रीराम ने उन्हें बड़े होने का उचित आदर-सम्मान देकर उनके क्रोध को शांत किया। आज हमारे बच्चे अपने अध्यापक, घर के बुजुर्गों जैसे दादा-दादी, चाचा-चाची और बड़े भाई-बहनों का सम्मान करना भूल गए हैं। उन्हें प्रणाम करना तो दूर, उनकी आज्ञा का पालन करने की जरूरत नहीं समझते। बच्चे अपने बड़ों से किसी भी बात के लिए लड़ने लगते हैं। बिना सोचे-समझे अपनी जानकारी को सही और उनके जीवन अनुभवों को तुच्छ साबित करते रहते हैं। सिर्फ अपनी सुख-सुविधा देखते हैं। दूसरों की भावनाओं की उन्हें जरा-भी परवाह नही होती। जबकि श्रीराम ने जीवन भर अपने से ज्यादा दूसरों की जरूरत को सदैव ऊपर रखा। दूसरों के सुख के लिए अपना सारा सुख त्याग दिया। हमें अपने बच्चों को श्रीराम के इन गुणों के बारे में बताना चाहिए कि किस तरह श्रीराम ने अपने छोटे भाई भरत के लिए अयोध्या का राज छोड़ा, किस तरह लंका पर विजय पाने के बाद सारा राज्य विभीषण को सौंपा। आप बच्चों को बताएं कि श्रीराम ने कैसे-कैसे त्याग किए। इससे बच्चे श्रीराम से प्रेरणा लेंगे, संस्कारवान बनेंगे।

सहभागिता का गुण: श्रीराम बचपन से ही बहुत बुद्धिमान और साहसी थे। रावण ने सीताजी का हरण कर लिया था। श्रीराम के पास आलौकिक शक्तियां थीं, वे चाहते तो अकेले ही लंका में जाकर सीताजी को वापस ला सकते थे। लेकिन उन्होंने इस लड़ाई में सामान्य जन को भी सम्मिलित किया। जिससे अन्याय के खिलाफ लड़ने के लिए उनमें साहस जगे, साथ ही लोगों को समूह की शक्ति का महत्व पता चले। हमें बच्चों को बताना चाहिए कि कोई भी काम मिलकर करने से सफलता मिलती ही है। साथ ही किसी भी विषम परिस्थिति में हमें घबराना नही चाहिए। धैर्य से काम लेना चाहिए।

आदिशक्ति की उपासना का पर्व नवरात्र हमें एक सकारात्मक ऊर्जा से भर देता है। महिलाओं को चाहिए कि वे नवरात्र समापन के समय मां दुर्गा के सामने कुछ ऐसे संकल्प लें, जिससे वे सबल ही नहीं सशक्त भी बनें।

लीजिए ऐसे संकल्प जिनसे बनें आप सशक्त-सबल

उत्प्रेरणा

पूनम

आजकल नवरात्र चल रहे हैं। इन नौ दिनों में आदिशक्ति की उपासना करते हुए, उपासकों का मन उत्साह-उमंग से भरा रहता है। खासकर महिलाओं के लिए तो नवरात्र का पर्व, विशेष महत्व रखता है। वे हर दिन, मां के विभिन्न स्वरूपों की स्तुति करते हुए, उनसे प्रेरणा लेती हैं। मां दुर्गा के आशीर्वाद से अपनी आत्मशक्ति को जागृत करती हैं। इसी आत्मशक्ति के बल पर स्त्रियां अपने जीवन में आने वाली बाधाओं से पार भी पाती हैं। लेकिन अपनी आत्मशक्ति को बढ़ाने के साथ ही महिलाओं को चाहिए कि नवरात्र के समापन पर कुछ और भी ऐसे संकल्प लें, जो उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएं, उन्हें सबल और सशक्त बनाने में सहायक हों।

स्वस्थ रहने पर दें जोर: मां दुर्गा की उपासना करते हुए, महिलाएं अपने परिवारजनों के जीवन को खुशहाल बनाने की प्रार्थना करती हैं, उन्हें स्वस्थ और निरोगी रखने की कामना करती हैं। लेकिन वह इस प्रार्थना में स्वयं को भूल जाती हैं। नवरात्र ही नहीं, सामान्य दिनों में भी अपने स्वास्थ्य के प्रति महिलाएं उदासीन रहती हैं। यही कारण है कि हमारे देश की आधी आबादी कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से घिरी रहती है। इस बात की पुष्टि समय-समय पर होने वाले स्वास्थ्य सर्वेक्षण भी करते हैं। यह समस्या इतनी बड़ी है कि केंद्र और राज्य सरकारों तक को स्वास्थ्य जागरुकता अभियान चलाने पड़ते हैं। लेकिन जब तक महिलाएं स्वयं अपने स्वास्थ्य को लेकर जागरूक नहीं होंगी, तब तक कोई भी बदलाव संभव नहीं है। इसलिए इस नवरात्र में महिलाएं मां दुर्गा के सामने स्वयं को स्वस्थ रखने का संकल्प लें। वे अपने स्वास्थ्य पर भी उतना ही ध्यान दें, जितना अपने परिवार के लोगों की सेहत पर देती हैं। इसके लिए महिलाएं स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं। अपनी आयु के अनुसार पौष्टिक आहार लें। साथ ही व्यायाम और योग को भी अपने जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाएं। नियमित रूप से इन बातों को अमल में लाकर आप अपने भीतर ऊर्जा और शक्ति को बढ़ा सकती हैं। इसी शक्ति और ऊर्जा के बल पर अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए भी प्रयास कर सकती हैं। इस तरह आप स्वस्थ रहकर सबल-सशक्त होंगी।

बनें आर्थिक रूप से स्वतंत्र: जितना जरूरी स्वस्थ रहना है, उतना ही जरूरी आर्थिक रूप से स्वतंत्र रहना भी है। आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर महिला अपने जीवन से जुड़े फैसले आसानी से ले सकती है। वह किसी भी तरह के शोषण या दबाव का शिकार नहीं होती है, इसलिए इस नवरात्र मां दुर्गा के सम्मुख आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनने का संकल्प भी लें। इसके लिए छोटे-छोटे प्रयास करें। अगर आप गृहिणी हैं, तो घर से ही कोई बिजनेस या काम करने की शुरुआत करें। जैसे आप घर से ही क्लाउड किचेन शुरू कर अच्छी अर्निंग कर सकती हैं। अगर आप पढ़ी-लिखी, वर्किंग वूमेन हैं तो अपनी स्किल्स को बढ़ाइए और खुद का करियर आगे बढ़ाने का प्रयास कीजिए, हायर पोजिशन पर पहुंचने की कोशिश कीजिए।

आत्मरक्षा की लें जिम्मेदारी: देखा गया है कि आर्थिक रूप से सक्षम महिलाएं मजबूती से अपने फैसले खुद ले सकती हैं, लेकिन जब बात आत्मरक्षा की आती है तो वे कई बार कमजोर पड़ जाती हैं। आज भी हमारे समाज में महिषासुर जैसे राक्षस बेखौफ घूम रहे हैं। इनसे लड़ने का एक मात्र तरीका है कि महिलाएं, बेटियां अपनी आत्मरक्षा का जिम्मा खुद लें। तो इस नवरात्र आदिशक्ति के सामने अपनी आत्मरक्षा का प्रण लें। बुरे पुरुषों से अपनी रक्षा करने के लिए कराटे, जूडो जैसी फाइटिंग स्किल्स सीखें।

अर्थराइटिस की वजह से बढ़ती उम्र में अनेक महिलाएं ज्वाइंट पेन से परेशान रहती हैं। वर्ल्ड अर्थराइटिस-डे (12 अक्टूबर) के अवसर पर हम आपको बता रहे हैं, प्रॉपर डाइट से कैसे कर सकते हैं ज्वाइंट पेन को कंट्रोल।

जब लेंगी प्रॉपर डाइट ज्वाइंट पेन रहेगा कंट्रोल

डाइट सजेशन

श्रुति भारद्वाज

बढ़ती उम्र में कई महिलाएं अर्थराइटिस से ग्रस्त हो जाती हैं। इससे उनके रोजमर्रा के काम प्रभावित होने लगते हैं। अगर आपको भी अर्थराइटिस है तो रेग्युलर फिजियोथेरेपी और सही डाइट लेकर आप इसे काफी कंट्रोल कर सकती हैं। बैलेंस्ड डाइट और अर्थराइटिस के बीच गहरा संबंध होता है। अगर आप हेल्दी डाइट लेती हैं तो इससे आपके ज्वाइंट्स मजबूत रहते हैं और इनमें सूजन भी कम आती है।

रेग्युलर डाइट में इन्हें करें शामिल: अगर आप चाहती हैं कि अर्थराइटिस का दर्द आपको ना सताए तो अपनी डाइट में ऐसे न्यूट्रिएंट्स को शामिल करें, जो ना केवल आपको हेल्दी रखेंगे बल्कि इनके सेवन से जोड़ों के सूजन और दर्द में भी कमी आएगी।

ओमेगा-3 फैटी एसिड: ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर डाइट लेने से सूजन में आराम मिलता है। इसके लिए आप अपनी डाइट में मछली, अलसी, चिया सीड्स और अखरोट शामिल करें।

विटामिन सी-विटामिन ई: विटामिन सी और विटामिन ई जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स भी सूजन को कम करने में मदद करते हैं। संतरे, कीवी, बेरीज, हरी पत्तेदार सब्जियों में ये अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं।

कैल्शियम-विटामिन डी: कैल्शियम हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए बहुत आवश्यक है। इसके अलावा विटामिन डी, कैल्शियम को बॉडी में एब्जॉर्ब करने में मदद करता है। डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे दूध, दही, पनीर, हरी सब्जियां और फोर्टिफाइड फूड्स कैल्शियम के अच्छे सोर्स होते हैं। सुबह की धूप में रहने से भी विटामिन डी आप ले सकती हैं।

फाइबर्स: साबुत अनाज, फल और सब्जियां फाइबर्स के अच्छे सोर्स होते हैं। इन्हें खाने से सूजन कम होती ही है, ज्वाइंट्स पर दबाव भी कम होता है।

हल्दी-अदरक: हल्दी में करक्यूमिन नामक तत्व पाया जाता है, जो एक नेचुरल एंटी-इंफ्लेमेटरी है। अदरक भी सूजन को कम करने में मदद करता है। इन्हें चाय या सलाद के रूप में सेवन करें।

पानी: ज्वाइंट्स कार्टिलेज को हाइड्रेटेड रखने के लिए खूब पानी पिएं। इससे सूजन कम होती है।

जिंक-मैग्नीशियम: जिंक रिच फूड्स से इम्यूनिटी अच्छी होती है और सूजन में भी कम आती है। नॉनवेज, सीड्स, सूखे मेवे और फोर्टिफाइड अनाज में जिंक भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

इन्हें करें अवॉयड: बहुत से ऐसे फूड आइटम होते हैं, जिन्हें खाने से सूजन बढ़ जाती है। इसमें प्रोसेस्ड फूड्स और ट्रांस फैटी एसिड शामिल हैं। इन्हें अवॉयड करना चाहिए। इसके अलावा चीनी का सेवन भी सीमित मात्रा में करें। ये बॉडी में सूजन को बढ़ाते हैं।

(लेखिका जाइडस हॉस्पिटल, अहमदाबाद में सीनियर डायटीशियन हैं)

फेस्टिव सीजन में आप जरूर चाहेंगी कि आपका रूप सबसे अलग और दमकता हुआ नजर आए। इसके लिए सिर्फ अच्छी ड्रेस, ज्वेलरी पहनना ही पर्याप्त नहीं है। इसके लिए आपको मेकअप स्टेप्स को भी सही ढंग से फॉलो करना होगा।

ऐसे करें मेकअप दमक उठेगा आपका रूप

केयर

शहनाज हुसैन

कॉस्मेटोलॉजिस्ट

नवरात्र के साथ ही त्योहारी मौसम शुरू हो जाता है। इस उत्सवी माहौल में और भी रंग भर जाते हैं, जब आपका रूप दमकता हुआ नजर आता है। अगर आप भी चाहती हैं कि इस माहौल में आपका रूप सबसे अलग नजर आए तो स्वयं पर थोड़ा ध्यान देकर आप ऐसा कर सकती हैं। सबसे जरूरी बात अपनी स्किन को हाइड्रेटेड रखें। थोड़े-थोड़े अंतराल पर पानी पीती रहें। इसके अलावा ताजे फलों का रस, नारियल पानी, नीबू पानी और सूप भी अपने आहार में शामिल करें। अपनी नींद का भी खयाल रखें। इससे आंखों के नीचे पफीनेस की समस्या भी नहीं होगी।

फॉलो करें मेकअप स्टेप्स : इस फेस्टिव सीजन में अगर आप किसी पार्टी, उत्सव, गरबा रास या दुर्गा पूजा में जा रही हैं तो वॉटर प्रूफ मेकअप ही करें। इसके अलावा गॉर्जियस मेकअप लुक पाने के लिए कुछ टिप्स को फॉलो करना ना भूलें।

- पहले चेहरे और गर्दन पर फाउंडेशन लगाकर इसे गीले स्पंज से या अंगुलियों की मदद से अच्छी तरह ब्लेंड करें। फाउंडेशन को चेहरे पर लॉक करने के लिए लूज पावडर का इस्तेमाल करें। अपने स्किन टोन के अकॉर्डिंग फाउंडेशन लगाएं। आप चाहें तो गोल्ड फाउंडेशन भी लगा सकती हैं, इससे चेहरा चमकदार लगेगा। इसके ऊपर हल्के हाथ से ब्लशर लगाएं। अपने चीक बोंस पर आप हाई लाइटर भी लगा सकती हैं।
- ब्लशर और लिपस्टिक शेड पर भी ध्यान दें। अगर आपने ऑरेंज लिपस्टिक लगाई है तो उसी कलर के ब्लशर का उपयोग ना करें।
- ब्लश का चयन करते समय सावधानी बरतें। फेयर स्किन के लिए पिंक या रेड ब्लशर का इस्तेमाल करें। अगर आपकी स्किन यलोइश है तो ऑरेंज ब्लशर के इस्तेमाल से परहेज करें। ऐसी स्किन पर पिंक, ब्रॉन्ज कलर फबते हैं। अगर स्किन डस्की है तो डार्क रेड और ब्रॉन्ज ब्लश अच्छा रहेगा।

ईवीएम/वीवीपैट वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था का डीएम एसपी ने किया निरीक्षण

अमेठी जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी निशा अनंत व पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह ने आज संयुक्त रूप से राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर निरीक्षण किया। उन्होंने गोदामों में रखी बीयू/सीयू तथा वीवीपैट के संबंध में जानकारी ली एवं आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने गोदाम में लगे सीसीटीवी कैमरा को भी देखा तथा गोदाम में लगी सिक्योरिटी को 24 घंटे तैनात रहने के निर्देश दिए।

सफलता के लिए जरुरी है संघर्ष, त्याग और समर्पण की भावना : टंक राम वर्मा

राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता में रायपुर संभाग को मिला ओवरऑल चैम्पियनशिप का खिताब

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मंत्री वर्मा ने खिलाडियों को प्रेरित करते हुए कहा कि बिना किसी कठिन परिश्रम के ऊंचाईयों तक नहीं पहुंचा जा सकता, यदि हम इतिहास के महान लोगों के जीवन को देखे, तो उनके जीवन में संघर्ष, त्याग और समर्पण जुड़ा हुआ है। खेल मंत्री टंक राम वर्मा बुधवार को राजधानी के जे.आर.दानी स्कूल में आयोजित 24वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता के समापन समारोह में पहुंचे। विगत चार दिनों से आयोजित इस प्रतियोगिता में राज्य के सभी संभागों के स्कूल के 1790 खिलाड़ी और 300 कोच शामिल हुए। इस प्रतियोगिता में रायपुर संभाग को ओवरऑल चैम्पियनशिप का खिताब दिया गया।

मंत्री वर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए प्रतियोगिता एक बेहतरीन मंच है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार में खेल प्रतिभा को बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। अलंकरण दिवस समारोह में मुख्यमंत्री ने राज्य के ऐसे खिलाड़ी जो ओलंपिक में गोल्ड मैडल विजेता होंगे, उन्हें 3 करोड़ रूपए से पुरस्कृत करने की घोषणा की।

मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि आज यहां उपस्थित खिलाड़ी राज्य स्तरीय खेल में शामिल होने आए हैं, सरकार की मंशा है कि खिलाड़ी न केवल राज्य स्तर अपितु राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम गौरवान्वित करें। प्रदेश के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शन करने का अवसर मिले, इसके लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि खेल से शारीरिक और मानसिक विकास के साथ टीम भावना का विकास होता है। खेल में हार-जीत लगा रहता है, हार कर बैठना बुरी बात है। ज्ञात हो कि राज्य स्तरीय शालेय कीड़ा प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ राज्य के 05 संभाग से लगभग 1790 प्रतिभागी खिलाड़ी एवं 300 कोच सम्मिलित हुए। विगत 04 दिनों से चलने वाली इस प्रतियोगिता में 10 खेलों बास्केटबाल, हॉकी, फुटबॉल, रोलर स्केटिंग, स्क्वैश, सॉफ्ट टेनिस, बॉक्सिंग, ताईक्वाण्डो, साइकिलिंग एवं तीरंदाजी के खिलाड़ी प्रतियोगिता में सम्मिलित हुए।

राजपुर में सड़क निर्माण की मांग को लेकर छात्र नेता आदित्य विभु जायसवाल आमरण अनशन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

राजपुर। बलरामपुर जिले के राजपुर मे तहसील कार्यालय से महाविद्यालय तक सड़क निर्माण के लिए छात्रों ने अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपा, चक्का जाम किया और जन प्रतिनिधियों को भी ज्ञापन दिया। लेकिन कोई पहल नहीं हुई। छात्र नेता आदित्य विभु जायसवाल ने बताया कि चक्का जाम के बाद अनुविभागीय अधिकारी ने आश्वासन दिया, लेकिन केवल मिट्टी डालकर छोड़ दिया गया। एक महीने से अधिक समय बीतने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसलिए, 16 अक्टूबर को आमरण अनशन करने का फैसला लिया गया है। ज्ञापन सौंपने के दौरान अनुराग गुप्ता, पंजज ठाकुर, हर्ष सिंह, सूरज रवि आशीष रवि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री की पहल पर कर्नाटक से गृहग्राम सूंडरु पहुंचा मृतक संजय का शव

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। कर्नाटक के मंगलुरु में बोट से गिरने के कारण से हुई दुर्घटना में तपकरा के ग्राम सूंडरु निवासी संजय की मृत्यु हो गई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने त्वरित पहल करते हुए जिला प्रशासन को निर्देशित किया। मृतक संजय के परिजनों ने दुर्घटना के बाद मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया से मदद मांगी थी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन ने तत्परता दिखाई और शव को उनके गृह स्थान सूंडरु पहुंचाया गया। इस कठिन समय में मुख्यमंत्री साय की मदद से परिजनों को संबल मिला।

तक्षशिला लाइब्रेरी में युवाओं की सुविधा के लिए मौजूद है कैंटीन...

डिप्टी सीएम साव ने भी लिया यहां के फरा-चटनी का स्वाद, सैंडविच के साथ चाय भी पी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। रायपुर के तक्षशिला स्मार्ट रीडिंग जोन एवं लाइब्रेरी में पढ़ाई करने आने वाले युवाओं को चाय-कॉफी, नाश्ता और भोजन के लिए बाहर निकलने की जरूरत नहीं पड़ती। संस्कृति स्वसहायता समूह द्वारा यहां संचालित कैंटीन में सभी कुछ मौजूद है। मंगलवार को तक्षशिला लाइब्रेरी की व्यवस्था देखने आए उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने भी युवाओं से चर्चा करते यहां के फरा-चटनी, सैंडविच और कुल्हड़ में चाय का स्वाद लिया। उन्होंने इनके स्वाद की तारीफ भी की। उप मुख्यमंत्री साव ने तक्षशिला लाइब्रेरी की व्यवस्थाओं के साथ ही यहां स्वसहायता समूह द्वारा संचालित कैंटीन के इंतजाम का भी जायजा लिया। उन्होंने समूह की महिलाओं से चर्चा कर यहां बनाए जाने वाले व्यंजनों, उनकी बिक्री और आमदनी की जानकारी ली। रायपुर नगर निगम द्वारा दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (ऊअ-ठवछट) के तहत समूह को यहां कैंटीन के संचालन के लिए जगह उपलब्ध कराई गई है। इससे जहां स्थानीय महिलाओं को रोजगार मिल रहा है, वहीं लाइब्रेरी में पढ़ने आने वाले युवाओं को कम दरों पर चाय-कॉफी, नाश्ता और भोजन सुलभ हो रहा है। उप मुख्यमंत्री साव को संस्कृति स्वसहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती रोशनी सोनी ने बताया कि अप्रैल-2024 से समूह द्वारा तक्षशिला लाइब्रेरी में कैंटीन का संचालन किया जा रहा है।

प्रमिला-लीना के जीवन में महतारी वंदन योजना आत्मसम्मान का प्रतीक बनी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। बलौदाबाजार जिला के ग्राम अजुर्नी में निवासरत कुम्हार समाज से जुड़े श्रीमती प्रमिला चक्रधारी और उनकी बहू श्रीमती लीना चक्रधारी के लिए महतारी वंदन योजना किसी वरदान से कम नही है। प्रमिला ने इस योजना से मिली राशि का उपयोग मिट्टी के बर्तन बनाने के लिए जरूरी समान खरीदने में करती है वहीं लीना ने इस राशि का उपयोग अपने घर को बेहतर ढंग से चलाने में करती है, जिससे घर की छोटी-छोटी जरूरतें पूरी हो रही है। यह योजना अब सिर्फ आर्थिक सहायता ही नहीं बल्कि सास-बहू दोनों के जीवन में आत्मसम्मान और सशक्तिकरण का प्रतीक बन गई। बलौदाबाजार जिला के ग्राम अजुर्नी के प्रमिला के पति मालिक राम परंपरागत कुम्हार का काम करते हैं। समय के अनुसार मिट्टी के बर्तन व अन्य सामान बनाते हैं। प्रमिला भी अपने पति के साथ मिलकर मिट्टी से जिंदगी संवारने का काम करती है। बर्तन बनाने का यह हुनर, उनके जीवन का आधार है। लेकिन कभी-कभी यह हुनर भी आर्थिक तंगी के सामने छोटा पड़ जाता है। उनके बेटे उमेश चक्रधारी रोजी- मजदूरी करके परिवार की गाड़ी चलाता है, जबकि उनकी पत्नी लीना जो गृहणी हैं, घर के कामकाज में लगी रहती हैं। लीना और उमेश की शादी को अभी दो साल ही हुए हैं

लेकिन यह छोटा सा परिवार पहले से ही चुनौतियों के बीच अपनी राह बना रहा है। इन चुनौतियों से निजात दिलाने का काम मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की महतारी वंदन योजना ने किया।

महतारी वंदन योजना के तहत प्रमिला और लीना दोनों को अतिरिक्त आर्थिक सहायता मिल रही है। इस योजना की मदद से उनके जीवन में नई उम्मीद की किरण आई है। प्रमिला कहती है कि मुख्यमंत्री साय की महिलाओं के हित में शुरू की गई महतारी वंदन योजना ने हमें वह सहारा दिया है, जो हमें कभी नहीं मिला था। हम मेहनत तो करते थे, लेकिन आर्थिक मजबूरी ने हमें हमेशा विवश कर रखा था। इस योजना से मिली राशि से अब हम अपनी मेहनत को और आगे बढ़ा सकते हैं। वहीं लीना की आँखों में भी एक नई चमक है। वह कहती है कि हमारा छोटा परिवार अब और मजबूती से खड़ा है। इस मदद ने हमें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ाया है। दोनों सास-बहू मुख्यमंत्री का धन्यवाद करते है कि इस योजना ने उन्हें न केवल आर्थिक रूप से बल्कि पूरे सम्मान के साथ जीवन यापन करने के लिए सशक्त बनाया है। आज प्रमिला और लीना परिवार अपने पैरों पर खड़ा होकर अपने भविष्य की नींव और भी मजबूत कर रही हैं।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) सक्षम प्राधिकारी (डायवर्सन) प्रतापपुर, जिला-सूरजपूर (छ0ग0)

उदघोषणा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका मीरा मिश्रा पति अखिलेष मिश्रा जाति ब्राहम्ण निवासी छिन्दडांड तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ0ग0 द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम सत्तीपारा तहसील प्रतापपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 371/1 रकबा 0.33 हे भूमि में से रकबा 0.20 हे. भूमि को छ0ग0 भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 172 के अन्तर्गत कृषि भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन व्यपवर्तन कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। यदि इस पर किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 24/10/2024 तक अपना दावा आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। इस तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 09/10/2024 को न्यायालय के पदमुद्रा द्वारा जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा0)
एवं सक्षम प्राधिकारी
प्रतापपुर जिला-सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) सक्षम प्राधिकारी (डायवर्सन) प्रतापपुर, जिला-सूरजपूर (छ0ग0)

उदघोषणा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक ओमप्रकाष पिता जगदीष प्रसाद जाति ब्राहम्ण निवासी ग्राम बोंगा तहसील प्रतापपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम गोविन्दपुर तहसील प्रतापपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 533/6 रकबा 0.08 हे . भूमि को छ0ग0 भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 172 के अन्तर्गत कृषि भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन व्यपवर्तन कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। यदि इस पर किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 24/10/2024 तक अपना दावा आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। इस तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 09/10/2024 को न्यायालय के पदमुद्रा द्वारा जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा0)
एवं सक्षम प्राधिकारी
प्रतापपुर जिला-सूरजपुर

पूर्व आइएएस मोहिंदर सिंह की बढ़ी मुश्किलें

2007 के स्मारक घोटाले में फंसे; इसी माह नोटिस देने की तैयारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनऊ। नोएडा के फ्लैट खरीदारों से ठगी के मामले में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप से घिरे पूर्व आइएएस अधिकारी मोहिंदर सिंह की मुश्किलें और बढ़ेंगी। बसपा सरकार में हुए बहुचर्चित स्मारक घोटाले में सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) ने मोहिंदर सिंह की भूमिका की जांच तेज की है। सूत्रों के अनुसार बसपा सरकार में प्रमुख सचिव, आवास व शहरी नियोजन के पद पर रहते हुए उन्होंने वर्ष 2007 में स्मारकों के निर्माण के लिए बिना प्रशासकीय व वित्तीय स्वीकृति के धन आवंटित किया था। इसके लिए कार्यदायी संस्था को भी नामित नहीं किया गया था। विजिलेंस ने पूर्व आइएएस अधिकारी को सात अक्टूबर को पूछताछ के लिए बुलाया था पर वह नहीं आए। विजिलेंस नोटिस जारी कर इसी माह उन्हें पूछताछ के लिए फिर तलब करेगा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी फ्लैट खरीदारों से ठगी के मामले में पूछताछ के लिए मोहिंदर सिंह को नोटिस जारी की थी पर वह सामने नहीं आए थे। उन्होंने बीमारी का हवाला देकर जांच एजेंसी से समय मांगा था। बसपा सरकार में हुए 1400 करोड़ के स्माकर घोटाले की जांच विजिलेंस कर रहा है। विजिलेंस ने एक जनवरी, 2014 में पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी व बाबू सिंह कुशवाहा समेत 199 आरोपितों के विरुद्ध एफआइआर दर्ज कराई थी।

ईओ पर तहसील दिवस में गलत रिपोर्ट प्रेषित करने का लगा आरोप,मंडलायुक्त से शिकायत

(मंडलायुक्त ने शिकायत को गम्भीरता से लेते हुये मोहनलालगंज एसडीएम को दिए जांच के निर्देश,कार्यवाही के लिये तलब की रिपोट)

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

मोहनलालगंज। तहसील समाधान दिवस के शिकायती पत्र पर मोहनलालगंज नगर पंचायत के ईओ द्वारा गलत रिपोर्ट लगाने के मामले में भाजपा सभासद ने मंडलायुक्त से शिकायत कर कार्यवाही की मांग की। मंडलायुक्त ने एसडीएम मोहनलालगंज को जांच कर कार्यवाही के लिये रिपोर्ट तलब की है। मोहनलालगंज नगर पंचायत के भाजपा सभासद हिमांशु तिवारी ने मंडलायुक्त डा. रोशन जैकब से उनके कार्यालय में मिलकर शिकायती पत्र देते हुये बताया कि नगर पंचायत मोहनलालगंज के वार्ड -12 मऊ गांव में तालाब के ओवरफ्लो जल निकासी के लिए दूसरे तालाब को मिलाने वाली नाली का निर्माण होना था परन्तु ईओ मनीष राय व अवर अभियंता रमन कुमार सिंह की साठ-गांठ से वैभव इन्टर प्राइजेज के ठेकेदार द्वारा कार्य की उपयोगिता को नजर अंदाज कर घटिया नाली का निर्माण आधा अधूरा छोड़कर भुगतान प्राप्त कर लिया गया है। जिससे नाली निर्माण का उद्देश्य पूरा नहीं हुआ वहीं सरकारी धनराशि का दुरुपयोग किया जा रहा है। इस पर मंडलायुक्त ने ईओ मनीष राय को कार्य पूर्ण करने एवं ठेकेदार पर जुमार्ना लगाने का स्पष्ट निर्देश दिया था लेकिन बिना किसी कार्यवाही के ईओ मनीष राय ने मंडलायुक्त के आदेश को दरकिनार करते हुए तहसील समाधान दिवस की शिकायत सं. 3008224001259 पर कागजी खाना पूर्ति में तथ्य हीन रिपोर्ट में लिखा कि उपरोक्त प्रकरण के अंतर्गत संबंधित कार्य में अवर अभियंता व सहायक अभियंता की देखरेख में आगणन तैयार कर कार्य को पूर्ण कराया गया है। भाजपा सभासद हिमांशु तिवारी ने गत 30 सितम्बर को मंडलायुक्त डा. रोशन जैकब को शिकायती पत्र देकर अवगत कराया कि नगर पंचायत मोहनलालगंज के ईओ मनीष राय ने तहसील समाधान दिवस की शिकायत पर झूठी रिपोर्ट लगाकर बिना किसी कार्यवाही एवं शिकायतकर्ता को सूचित किए बगैर मामले की लीपापोती कर निस्तारित कर दिया है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2023-24

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत/नगर पंचायत/नगर पालिका परिषद बिहारपुर को सूचित किया जाता है कि श्री संतोष पुरी पिता देवगन पुरी निवासी बिहारपुर के द्वारा अपने स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि खसरा नं० 967/1, 970/3 रकबा 0.40, 0.28 हे० जो ग्राम बिहारपुर प.ह.नं 6 रा०नि०मं० बिहारपुर सूरजपुर में स्थित है के व्यवसायिक भू-परिवर्तन (डायवर्सन) हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में ग्राम पंचायत/नगर पंचायत/नगर पालिका निगम क्षे० बिहारपुर के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से प्रकरण में नियत दिनांक 17/10/2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 09/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलय की मुद्रा से जारी किया गया है।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2023-24

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत/नगर पंचायत/नगर पालिका परिषद को सूचित किया जाता है कि श्रीमती नीलम सिंह पति श्री घनश्याम सिंह निवासी भैयाथान के द्वारा अपने स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि खसरा नं० 616/6 रकबा 0.03 हे० जो ग्राम भैयाथान प.ह.नं 13 रा०नि०मं० भैयाथान सूरजपुर में स्थित है के आवासीय भू-परिवर्तन (डायवर्सन) हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में ग्राम पंचायत/नगर पंचायत/नगर पालिका निगम क्षे० भैयाथान के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से प्रकरण में नियत दिनांक 22/10/2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 09/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलय की मुद्रा से जारी किया गया है।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष
ग्राम समौली प.ह.न.13

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शेषमन पिता बबुआ जाति अहिर निवासी ग्राम समौली प.ह.न. 13 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र/पुत्री ऋतु यादव का जन्म दिनांक 01/01/2011 को ग्राम समौली में हुई है, अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र/पुत्री जन्म प्रमाण का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत समौली को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 21/11/2024 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 08/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भैयाथान
जिला - सूरजपुर (छ०ग०)

तेज रफ्तार में कार निकालने का विरोध करने पर ग्रामीणों से मारपीट की कोशिश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

निगोहां। पुरहिया गांव में एक कार सवार ने टोल बचाने के चक्कर मे तेज रफ्तार में फिल्मी अंदाज में गाड़ी निकाली। ग्रामीणों ने कार सवारो को रोककर धीमी गति से गाड़ी चलाने की बात कही तो ये बात उन्हे नागवार गुजरी जिसके बाद कार सवारो ने अवैध असलहे व डंडे निकालकर गाली-गालौज करते हुये मारपीट की कोशिश की। नाराज ग्रामीणो ने कार सवारो को घेर लिया तो भगाने के चक्कर में ग्रामीणो को टक्कर मारते हुये कार चढाने का भी प्रयास भी किया।

ग्रामीणो ने निगोहां पुलिस से शिकायत कर कार्यवाही की मांग की है। निगोहां के पुरहिया गांव निवासी विष्णु गोपाल बाजपेयी ने पुलिस से शिकायत करते हुये बताया बीते कई दिनो से उनके घर के सामने से बनी सड़क से रायबरेली के सुदौली गांव निवासी मोबीन तेज रफ्तार में कार निकाल रहे थे जिसके चलते कभी भी कोई हादसा हो सकता था, ग्रामीणो ने धीमी स्पीड में गाड़ी चलाने की बात कही तो ये बात उसे नागवार गुजरी, अगले दिन सोमवार को टोल टैक्स बचाने के चक्कर में मोबीन अपने साथियों संग असलहो व डंडो से लैस होजर तेज रफ्तार कार निकले तो नाराज ग्रामीणो ने रोक लिया। जिसके बाद कार में सवार लोग असलहे व डंडे हाथो में लेकर बाहर निकलकर गाली-गालौज करते हुये मारपीट की कोशिश करने लगे। ग्रामीणो से खुद को घिरता देख मोबीन व उसके साथी भगाने के चक्कर में ग्रामीणो को टक्कर मारते हुये गाड़ी चढाकर जान से मारने का प्रयास किया। थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी ने बताया दोनो पक्षो ने तहरीर दी है मामले की जांच कर कार्यवाही की जायेगी।

अपराध से है पुराना नाता.....

ग्रामीणो ने बताया कि कार चढाने का प्रयास करने वाले मोबिन का भाई हत्या और हत्या की साजिश में काफी दिनों तक जेल में रहे। साथ ही एक भाई अभी कुछ दिन पहले जिला बदर भी रह चुका है। दो दशक पहले इन्ही के पिता द्वारा कच्चे माल की सप्लाई से बनने वाली जहरीली शराब से कई लोगो की जाने गई थी। ग्रामीणो ने बताया आरोपी व उसके भाई दबंग किस्म के पुलिस के द्वारा कार्यवाही ना करने पर कभी भी कोई बड़ी घटना को अजांम दे सकते है।

निष्कासित मैनेजर ने प्रशासनिक अधिकारी को जान से मारने की धमकी, मुकदमा दर्ज

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज के कनकहा में स्थित सरदार पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक मेडिकल सांइसेज एण्ड रिसर्च सेंटर के उप्रधानाचार्य के घर जाकर मारपीट के मामले में संस्थान से निष्कासित मैनेजर द्वारा प्रशासनिक अधिकारी को जान से मारने की धमकाने देने के मामले में पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पूर्व मैनेजर पर जान से मारने की धमकी देने की धाराओ में मुकदमा दर्ज किया है। संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी पीयूष सिंह निवासी इन्द्रानगर जनपद उन्नाव ने पुलिस से शिकायत करते हुये बताया संस्थान के उप्रधानाचार्य के घर जाकर मारपीट करने के मामले में मैनेजर रोहित सिंह को मार्च 2023 तत्काल प्रभाव से कालेज से निष्कासित कर दिया था

उज्जैन से आये डमरू वादकों के साथ शहर में निकली माता रानी की भव्य आगमन शोभायात्रा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। शारदीय नवरात्र पर शहर सहित समूचा जिला शक्ति की भक्ति में लीन है। धार्मिक मंत्रोचार से नगर गुंजायमान है। देर रात तक पंडालो में माता रानी के दर्शन के लिए श्रधालुओ का सैलाब उमड़ रहा है जिसके कारण शहर के मुख्यमार्गों से लेकर गली मोहल्लों में चहल पहल बनी हुई है और हर ओर देवी गीतों की गूंज सुनाई दे रही है। प्रतिदिन होने वाले विभिन्न धार्मिक व मनोरंजक आयोजनों ने शहर का माहौल खुशनुमा बना हुआ है। सभी आयोजनों में लोग उत्साह से शामिल हो रहे है। षष्ठम तिथि पर मंगलवार को बेल आमंत्रण यात्रा के बाद बुधवार को नवरात्र की सप्तमी पर शहर के सभी पंडालो में ढोल नगाड़ों व आतिशबाजी के की भव्य आगमन शोभायात्रा निकालकर दुल्हन की तरह सजी पालकी में विराजमान कर माता रानी को पण्डाल तक लाया गया। जहां विधिविधान से पूजा

पंडालो में की गई प्राणप्रतिष्ठा व मूर्ति स्थापना

साथ डोली यात्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वर्ण महोत्सव मना रही नगर के भैयाथान रोड की सार्वजनिक श्री दुर्गा पूजा समिति के द्वारा ढोल नगाड़ों परंपरागत शैला सुगा नृत्य व महाकाल प्रभु की नगरी उज्जैन से आये डमरू वादक कलाकारों के साथ माता रानी अर्चना कर माँ दुर्गा की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की गई। उक्त आयोजन शहर के सभी पंडालो में धार्मिक मंत्रोच्चार के साथ विधिविधान से की गई।

जागृति मंच में चल रहा रात्रिकालीन कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

परंपरा के अनुसार नगर के मन्दिरपारा स्थित श्री नवयुवा जागृती मंच ने इस वर्ष भी राज्यस्तरीय रात्रि कालीन कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया है। जहां दूधिया रोशनी में खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे है। उक्त आयोजन को देखने प्रतिदिन बड़ी संख्या में खेलप्रेमी देर रात तक पण्डाल में डेट रहते है। यहां पण्डाल परिसर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य मेला आयोजित है।

गरबा नृत्य की धूम

नगर के बड़खापारा स्थित हर हर महादेव सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति के द्वारा मंगलवार की रात पंडाल प्रांगण में सामुहिक गरबा नृत्य का आयोजन किया गया।

उक्त आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चियां व युवा उत्साह से गरबा नृत्य में शामिल हुए। शहर के अन्य पंडालो में भी गरबा नृत्य का आयोजन किया गया है जहां बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे व युवा उत्साह से शामिल हो रहे है।

रकम दोगुना करने के चक्कर मे नगर का युवक हुआ 10 लाख की ठगी का शिकार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। प्रशासन के द्वारा ठगी से लोगो को बचाने चलाये जा रहे तमाम जागरूकता अभियान के बाद भी लोग ठगों के चक्कर मे पड़ कर अपनी मेहनत की कमाई गंवा रहे है। जिले में कई लोग कम समय मे रकम दुगनी करने के चक्कर मे जालसाजों के चंगुल में फंस जा रहे है। नगर के केतका रोड के विशाल गुप्ता ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए शिवप्रसादनगर के अशफाक उल्ला पिता जरीफउल्ला, तथा करौंदामुड़ा के शाहरूख अंसारी द्वारा पैसा 35 दिन में डबल करने का झांसा देकर 10 लाख रुपए की ठगी किये जाने की शिकायत दर्ज कराई है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि प्रार्थी को आरोपियों ने झांसा दिया था कि वह शेयर मार्केट में पैसा लगाकर 35 दिनों में डबल कर देते हैं। चूंकि

मामले में आरोपियों पर अपराध दर्ज

आरोपी प्राथी के पूर्व परिचित थे इसलिए वह उनके झांसे में आ गया और 10 लाख रुपए दे दिए। लेकिन पैसा डबल नहीं हुआ और ठगी का एहसास होने पर जब प्रार्थी ने रकम वापस मांगी तो आरोपी के द्वारा टालमटोल करने लगे। फिर जब प्रार्थी एक दिन पैसा मांगने अशफाक उल्ला के घर गया तो उसे गाड़ी से कुचलकर जान से मारने की धमकी दी गई। उक्त मामले में प्रार्थी की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 420, 506 व 34 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। इससे पूर्व भी इन्हीं तीनों आरोपियों ने शेयर मार्केट की कंपनी में निवेश कर पैसा डबल करने का झांसा देकर अंबिकापुर के व्यवसायी अंकुर गर्ग से 30 लाख रुपए की ठगी की थी। इस मामले में भी तीनों के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया था।

जल जगार महोत्सव में साक्षी ने कन्या महाविद्यालय का किया प्रतिनिधित्व

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। प्रदेश सरकार द्वारा जल संरक्षण के उद्देश्य से राज्य स्तरीय जल जगार महोत्सव का आयोजन धमतरी जिले के गंगरेल ग्राम में स्थित रवि शंकर जलाशय में 5 एवं 6 अक्टूबर को किया गया। कार्यक्रम के दूसरे दिन सूरजपुर जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय सूरजपुर में अध्यनरत बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा कुमारी साक्षी गुप्ता पंचायत मंत्री की हैसियत से जल सभा को संबोधित किया। साक्षी ने सूरजपुर जिले के साथ-साथ प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों की गिरते हुए जल स्तर पर गंभीर चिंता व्यक्त की है तथा यह प्रस्ताव रखा कि गांव से लेकर शहरों तक स्थित विभिन्न जल स्त्रोतों का संरक्षण करते हुए हमें वृक्षारोपण पर जोर दिया जाना चाहिए। जल सभा में उपस्थिति लगभग 50 महाविद्यालयीन विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न पदों का दायित्व निर्वहन करते हुए पक्ष व विपक्ष के माध्यम से स्वस्थ बहस एवं चर्चा के फल स्वरुप जल संरक्षण संबंधी प्रस्ताव को आम सहमति से पारित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रदेश के मुखिया श्री विष्णु देव साय द्वारा अपने गृह ग्राम के अनुभवों को साझा करते हुए उपस्थित विद्यार्थियों के साथ जल की भूमिका, संकट एवं भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा किया। छात्र की इस उपलब्धि के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य बृजलाल साहू एवं समस्त प्राध्यापकों ने उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रदान की।

पंडो जनजाति हेतु विशेष शिविर का किया जा रहा है आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। प्रत्येक बुधवार को पंडो जनजाति के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत आज महेशपुर, अजबनगर, महावीरपुर, सोनपुर, धरमपुर, मयूर धक्की, दुलदुली, बोंगा, पवनपुर, रामतीर्थ, सलका, चन्दन नगर, संबलपुर, सोनवाही इत्यादि स्थानों में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है।

सोनपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन, झूम उठे लोग

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
दतिमा मोड़। भटगांव विधानसभा के अंतर्गत आने-वाले ग्राम सोनपुर सू में सुआ पाखी लुगरा हर तोर लोक कला मंच नरेश पंचोली व रमेश गुप्ता टीम द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आस-पास के हजारों लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। ग्रामीणों ने कार्यक्रम को देखने काफी देर रात तक रुचि दिखाई और कार्यक्रम में डटे रहे कलाकारों ने अपनी कलाओं गायन, डांस की प्रस्तुति दी। कलाकारों ने अपनी कला प्रस्तुति के जरिए दर्शकों का दिल जीता।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मंत्री प्रतिनिधि ठाकुर राजवाड़े रहे। इस दौरान मंत्री प्रतिनिधि ठाकुर राजवाड़े द्वारा समिति की मांग पर 3 लाख की सेड निर्माण का घोषणा किया गया। मंत्री प्रतिनिधि ने कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले कलाकारों को क्षेत्र की जनता का मनोरंजन करने के लिए बधाई एवं शुभाकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम से साधन ही नहीं बल्कि इससे मानसिक व बौद्धिक विकास भी होता है। छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने में बाद माहौल बिल्कुल बदल गया है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ में तेजी से विकास देखने को मिल रहा है। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के पहल पर सांस्कृतिक विभाग के जरिए ये कार्यक्रम आम जनता के लिए छत्तीसगढ़ शासन के माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ शासन के बैनर तले कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम से जनता को संदेश देना चाहता हूं कि सरकार का हर काम आम आदमी के लिए होता है। उन्होंने बताया कि हर साल ये सांस्कृतिक प्रोग्राम किया जाता है और समय-समय पर हमारा ये प्रोग्राम होता रहता है।

शहीद वीर सीताराम कंवर के 166 वीं शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि सभा, रक्तदान व स्वास्थ्य शिविर हुआ आयोजित

0 25 यूनिट रक्त किया गया दान 0 कंवर समाज का आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। शहीद वीर सीताराम कंवर के 166 वीं शहादत दिवस पर बुधवार को श्रद्धांजलि सभा

व विशाल रक्तदान व स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन ओड़गी विकासखण्ड के ग्राम दवनसरा में किया गया । जिसमें समाज के लोग 25 युनिट रक्तदान किया गया। चिकित्सा विशेषज्ञयों द्वारा सैकड़ों लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। सभी रक्तदाताओं को ब्लड बैंक व समाज के द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस दौरान दसाई करमा का आयोजन व ग्राम दवनसरा में सप्ताहिक बाजार का उद्घाटन किया गया। करमा नृत्य दलों को समाज के द्वारा पुरस्कार राशि का वितरण किया गया। रक्तदान करने वाले में बालेंद्र देवेंद्र प्रताप, सोमारी देवी, मनीबाई ,सतीश यादव , मुन्नी देवांगन, गिर साय , परमजीत पैकरा , राजु कुमार, केशवर पैकरा, परमेश्वर पैकरा, शिवकुमार पैकरा, कृष्ण पैकरा, शिवकुमार, दुल्हन पैकरा, डा राजेश पैकरा, इंद्रभान पैकरा,,डा राजेन्द्र पैकरा, डा चन्द्रकानत सिंह, रामनंदन पैकरा, सोमारसाय, शैलेन्द्र पैकरा,के द्वारा रक्तदान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जे पी साय संरक्षक व महेश्वर पैकरा उपाध्यक्ष व जिला पंचायत सदस्य, विशिष्ट अतिथि डा राजेश पैकरा जिलाध्यक्ष, मोतीलाल पैकरा प्रवक्ता रवींद्र पर रामवृक्ष पैकरा कार्यकारी अध्यक्ष, आयोजकगण रामसाय पैकरा ,संरक्षक कपिल देव पैकरा ,हरिकेश्वर पैकरा, महेश पैकरा कोषाध्यक्ष,शिवकुमार पैकरा युवा अध्यक्ष,विजय पैकरा ,रामकुमार पैकरा ,जोखन पैकरा ,देव प्रसाद ,डॉक्टर राजेंद्र पैकरा, इंद्रभान पैकरा ,संतोष पैंकरा, रामनंदन पैकरा नंद गोपाल पैकरा, अंगुरम पैकरा सहित बड़ी संख्या में कंवर समाज के लोग उपस्थित थे।

कुदरगढ़ मेला परिसर में श्रमदान कर की गई साफ सफाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। ग्राम पंचायत कुदरगढ़ मेला परिसर में नवरात्रि पर्व पर सामूहिक श्रमदान कर साफ सफाई किया गया और स्वच्छता शपथ दिलाई गई। जिसमें लोगो को प्लास्टिक का उपयोग बंद करने हेतु प्रेरित किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण को बनाए रखने हेतु एक पेड़ मां के नाम पौधा लगाने के लिए अपील किया गया। साथ ही मेला परिसर में लगे स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से समूह के दीदियो का स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया गया। ग्राम वासियों और समूह की दीदियों और स्वच्छ भारत मिशन टीम का सहयोग रहा।

बाघ व तेंदुए के खाल की तस्करी करने वाला फरार सरगना चिरान के साथ गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर/बिहारपुर। दो वर्ष पूर्व दूरस्थ ग्राम अवन्तिकापुर में तस्करों से जब्त बाघ व तेंदुए के खाल मामले में विभाग ने फरार चल रहे मुख्य सरगना को गिरफ्तार करने में सफलता पाई

दो साल बाद पकड़ में आया आरोपी

है। मुखबिर की सूचना पर वन अमले ने मामले के मुख्य आरोपी को रविवार की रात गिरफ्तार किया।वाइल्ड लाइफ कंट्रोल ब्यूरो जबलपुर की टीम ने स्थानीय वन अधिकारियों की मदद से मध्यप्रदेश के सीमावर्ती ग्राम अवन्तिकापुर में 17 अक्टूबर 2022 को बाघ व तेंदुए की खाल के साथ 6 ग्रामीणों को गिरफ्तार किया था जबकि मुख्य सरगना सहित अन्य आरोपी भागने में सफल हो गए थे। वाइल्ड लाइफ

कंट्रोल ब्यूरों की टीम मुखबिर के माध्यम से आरोपियों से बाघ व तेंदुए की खाल खरीदने का सौदा किया था तथा अग्रिम राशि भी दी थी। एक पखवाड़े बाद आरापियों ने पूरी राशि देने पर खाल देने की बात कही थी। काफी इंतजार के बाद आरोपी स्थिति का परीक्षण करने के बाद खाल लेकर पहुंचे थे एवं तय राशि देने के बाद खाल देने पर अड़े थे। अधिकारियों ने राशि देकर 6 आरोपियों को खाल समेत गिरफ्तार किया था जबकि अन्य आरोपी फरार हो गए थे।

गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में ग्राम बैजनपाट के जगमोहन को मामले का मुख्य सरगना बताया था। वन अधिकारी प्रारम्भ से ही आरोपी को तलाश रहे थे लेकिन वन अधिकारियों के गांव में पहुंचने पर वह जंगल में छिप जाता था। मुखबिर से सूचना मिली थी जगमोहन जंगल के रास्ते सिंगरौली में चिरान की तस्करी कर रहा है। सूचना पर वन अधिकारियों ने मध्यप्रदेश की सीमा पर बाइक व 3 नग सिल्ली के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने वन अधिकारियों को वन्य जीवों के शिकार, उनकी खाल की तस्करी सहित अन्य कई महत्वपूर्ण सुराग दिए है। वन अधिकारी आरोपी से मिले सुरागों का खुलासा अभी नहीं कर रहे हैं। इस संबंध में गुरूघासी दास नेशनल पार्क अंतर्गत रिहन्द रेंज के परिक्षेत्राधिकारी ललित साय पैकरा ने बताया कि खाल तस्करी के सरगना जगमोहन को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। पूछताछ में महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं।

पंडो जनजाति हेतु विशेष शिविर का किया जा रहा है आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। प्रत्येक बुधवार को पंडो जनजाति के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत आज महेशपुर, अजबनगर, महावीरपुर, सोनपुर, धरमपुर, मयूर धक्की, दुलदुली, बोंगा, पवनपुर, रामतीर्थ, सलका, चन्दन नगर, संबलपुर, सोनवाही इत्यादि स्थानों में शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है।

स्पेशलाइज्ड थेरेपी सेंटर का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। बुधवार को कलेक्टर रोहित व्यास ने यहां के स्पेशलाइज्ड पंचकर्म थेरेपी सेंटर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सेंटर परिसर का अवलोकन करते हुए उन्होंने साफ सफाई, भवन मरम्मत के निर्देश दिए साथ ही सेंटर में उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर ईई पीडब्ल्यूडी महादेव लहरे, सीएमएचओ डॉ कपिल देव पैकरा, सिविल सर्जन डॉ अजय मरकाम, एसडीओ हाउसिंग बोर्ड एवं नगर पालिका सीएमओ प्रभाकर शुक्ला सहित सेंटर के मेडिकल ऑफिसर एवं अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री व्यास ने निरीक्षण के दौरान स्पेशलाइज्ड थेरेपी सेंटर में सभी उपलब्ध सुविधाओं का जायजा

लिया। इस दौरान उन्होंने भवन के मरम्मत, साफ सफाई के लिए नगर पालिका एवं पीडब्ल्यूडी विभाग को निर्देशित किया। रात के समय असामाजिक तत्वों द्वारा सेंटर भवन को नुकसान पहुंचाने एवं परिसर में अवैध गतिविधियां करने की शिकायत पर कलेक्टर श्री व्यास ने संबंधित अधिकारियों को सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही परिसर में सीसीटीवी कैमरा द्वारा 24'7 निगरानी करवाने के निर्देश भी उनके द्वारा दिए गए। इसके अलावा पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय कर परिसर में अपराधिक गतिविधियां करने वाले लोगों पर सख्त कानूनी कार्यवाही एवं परिसर को पूरी तरह सुरक्षित करने सभी आवश्यक उपाय करने के निर्देश भी उनके द्वारा दिए गए।

नौ देवियो के साक्षात दर्शन से धन्य हो गए हम : भूलन

चैतन्य देवी झांकी के द्वितीय दिवस का विधायक ने किया उदघाटन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा भव्य नव चैतन्य देवियों की झांकी प्रदर्शन के दूसरे दिन की झांकी का उद्घाटन प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी, राजेश महलवाला, डीएसपी महालक्ष्मी कुलदीप एवं बी के मंजू दीदी द्वारा किया गया।

विधायक श्री मरावी ने कहा कि यहां हमें एक साथ पंडाल में साक्षात नौ देवियों माताओ का दर्शन हो गया यहां आकर हमें बहुत खुशी हो रही है साक्षात देवियों का दर्शन कर हम धन्य हो गए साथ में सभी नगर वासियों को नवरात्रि की शुभकामनाएं एवं बधाई दिए। ब्रह्माकुमारी मंजू दीदी ने बताया कि यहां जो देवियां इतनी एकाग्रता से बैठे हैं यह देवियां राजयोग के अभ्यास द्वारा इतनी एकाग्रता एवं शांति से बैठी है यह निराकार परमात्मा शिव की शक्तियां हैं जब-जब धरती पर पापाचार एवं अत्याचार ,भ्रष्टाचार चारों ओर फैलती है ऐसे घोर रात्रि में निराकार परमात्मा शिव का अवतरण होता है और वह आदि शक्ति मां जगदंबा द्वारा एवं उनके अलग-अलग नौ रूपों द्वारा समाज में व्याप्त बुराई फैलाने वाले राक्षसों का वध कर दुर्गुणों को समाप्त कर जग में सुख शांति खुशी प्रेम फैलाई साथ में मनुष्य के अंदर दुर्गुण एवं मनोविकार काम क्रोध लोभ मोह अहंकार जैसे राक्षसों का वध किया और समाज में एक अलौकिक साम्राज्य की स्थापना कर मानव जीवन में सुख समृद्धि की प्राप्ति कराई जिसका यादगार हम सभी नवरात्रि के रूप में मनाते हैं। यहां हमें हमारे अंदर के सोच को परिवर्तन करना है अपनी मनसा नेगेटिव वृत्ति को परिवर्तन कर अपने अंदर देवीगुणों का आवाहन करना है ताकि हम भी अपनी जीवन को श्रेष्ठ गुणवान इन देवियों के समान हम भी अपना हृदय को शुद्ध एवं पवित्र बनाएं साथ में एक दूसरे के प्रति शुभ भावना एवं शुभकामना रखें इससे जीवन में शांति आएगी एवं श्रेष्ठ समाज का निर्माण होगा। यह झांकी भारतीय स्टेट बैंक के बगल में संध्या 6-30 से प्रतिदिन रात्रि 10 बजे तक आयोजित की जाती है जिसका प्रदर्शन 12 अक्टूबर तक किया जाएगा।

सरगुजा फ्रंटलाइन

बाजार दर से तीन गुना अधिक राशि पर मशीनों की खरीदी, आयुक्त ने दिए जांच के आदेश

स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत की गई है नियम विरूद्ध खरीदी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले के सभी जनपदों के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायतों में गलत तरीके से बेलिंग मशीन, फटका मशीन, श्रेडिंग मशीन, वजन मशीन बाजार दर से तीन गुना अधिक राशि पर क्रय करने के मामले में आयुक्त सरगुजा संभाग ने जांच के आदेश दिए हैं। अधिवक्ता डॉ. डीके सोनी ने तत्संबंध में 11 सितंबर को एक शिकायत आवेदन प्रस्तुत किया था, जिसमें जिले के 7 जनपद पंचायतों के अंतर्गत स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन के लिए मशीनों का क्रय करने की जानकारी दी गई थी। उन्होंने बताया था कि इसकी खरीदी सभी जनपदों के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में नियमों की

अनदेखी करके की गई है। कोरबा के सप्लायर ने बिना ग्राम पंचायत के मांग के उपरोक्त सामग्री पहुंचा दिया है। इसके बाद गलत तरीके से ग्राम पंचायत से उपरोक्त सामग्री की राशि का भुगतान करने के लिए दबाव दिया जा रहा है। कुछ ग्राम पंचायत से कोरबा के सप्लायर को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा दबाव देकर लगभग 16 लाख रुपये भुगतान करने हेतु कहा जा रहा है, कुछ ग्राम पंचायत से राशि भुगतान भी करा दिया गया है। कोरबा के सप्लायर के द्वारा ग्राम पंचायतों में जो मशीन सप्लाई किया गया है उसका वास्तविक मूल्य टैक्स सहित लगभग 3 लाख 60 हजार रुपये है, लेकिन सप्लायर के द्वारा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से मिलीभगत करके ग्राम पंचायतों से 16 लाख रुपये में सप्लाई किया गया है, जो वास्तविक दर से चार गुना ज्यादा है, जिससे शासन को लाखों रुपये का नुकसान हो रहा है। उपरोक्त मशीन बनाने वाली कंपनी का कोटेशन टैक्स सहित शिकायत आवेदन के साथ संयुक्त सरगुजा संभाग के समक्ष पेश किया गया है, जिससे सप्लायर के द्वारा शासन को लाखों रुपये की चपत लगाने प्रमाणित हो रहा है। डीके सोनी ने कहा है कि कोई भी सामग्री क्रय करने हेतु भंडार क्रय नियम का पालन करना पड़ता है, लेकिन उसका भी पालन नहीं किया गया है। एक ही दिन में सभी जनपदों के ग्राम पंचायत हेतु रात को 12 बजे के बाद जेम पोर्टल पर वर्क आर्डर सामग्री प्रदाय करने हेतु जारी कराया गया है, जिसमें स्वच्छ भारत मिशन के लिपिक भी संलग्न हैं। सप्लाई आदेश में किसी भी ग्राम पंचायत से कोई भी सहमति या प्रस्ताव सामग्री क्रय करने हेतु नहीं लिया गया है। आयुक्त सरगुजा संभाग ने शिकायत के साथ प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर 24 सितंबर को कलेक्टर सरगुजा को शिकायत पत्र में उल्लेखित तथ्यों की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई और जांच प्रतिवेदन 15 दिवस के भीतर उपलब्ध कराने कहा गया है।

माहवारी दौरान होने वाली परेशानियों को नजरअंदाज न करें, चिकित्सक की सलाह लें

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर दर्रीपारा आंगनबाड़ी केन्द्र में विविध आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के परिपेक्ष्य में महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना कार्यालय अंबिकापुर शहर के द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन दर्रीपारा एवं मोमिनपुरा सेक्टर के संयुक्त तत्वावधान में, दर्रीपारा आंगनबाड़ी केन्द्र जेल तलाब के पास किया गया। कार्यक्रम में काफी संख्या में किशोरी बालिकाएं, स्कूली छात्राएं, वार्ड की महिलाएं सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका उपस्थित रहीं। इस दौरान माहवारी स्वच्छता प्रबंधन, गुड टच, बैड टच, पोषण एवं स्वास्थ्य पर विभिन्न जानकारी दी गई तथा मानव श्रृंखला का निर्माण कर बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के नारे के साथ उत्सव के रूप में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सरगुजा साइंस ग्रुप के अंचल ओझा ने माहवारी स्वच्छता प्रबंधन पर चर्चा करते हुए माहवारी के दौरान स्वच्छता की आवश्यकता, कपड़े के पैड एवं सैनेटरी पैड के उपयोग के समय व साफ-सफाई को लेकर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान कपड़े के पैड का उपयोग करने के बाद उसे सही तरीके से गर्म पानी में धोने, धूप में सुखाने तथा हर चार से छह घंटे में पैड को बदलने सहित सैनेटरी पैड को भी अधिकतम 6 घंटे में बदलने की जरूरत क्यों है, इस पर प्रकाश डाला। अंचल ओझा ने इस दौरान महिलाओं को होने वाली विभिन्न परेशानियों को लेकर विस्तार से चर्चा की, जिसे महिलाएं और लड़कियां नज़रअंदाज कर देती हैं और किसी न किसी संक्रमण से ग्रसित हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि थोड़ा भी दिक्कत हो तो उसे नजरअंदाज न करें, तुरंत डॉक्टर की सलाह लें। स्वयं से कोई दवा न करें। यूनीसेफ की सरगुजा समन्वयक ममता चौहान ने गुड टच एवं बैड टच की जानकारी विस्तार से दी तथा लड़कियों को लेकर सरकार द्वारा चलाई जा रही कई योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं और लड़कियों के सफलता की कई कहानी सुनाते हुए उन्हें बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा हम महिलाएं व लड़कियां ठान लें तो कुछ भी असंभव नहीं है। महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक मधुमति सिंह ने महिलाओं एवं लड़कियों में जरूरी पोषण की आवश्यकता की जानकारी दी तथा अपने घरों और आसपास उपस्थित कई तरह के साग, भाजी एवं सब्जियों को लेकर जानकारी देते हुए एनिमिया, कुपोषण जैसे समस्याओं के परिप्रेक्ष्य में इसका हल हम केवल अपने खानपान में बदलाव लाकर कर सकते हैं, इसकी जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन पर्यवेक्षक राजलक्ष्मी पाण्डेय ने किया। उन्होंने स्वलिखित महिलाओं एवं लड़कियों पर आधारित अपनी कविता 'सरगम सुरीली छेड़ती हैं तान बेटियां' सुनाकर सबको भावविभोर कर दिया। किशोरी बालिकाओं और स्कूली छात्राओं ने कई नृत्य एवं गरबा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के समापन दौरान सभी को माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के तहत स्वच्छता को प्रोत्साहित करने सैनेटरी पैड का वितरण करके मानव श्रृंखला का निर्माण किया गया। कार्यक्रम में सरगुजा साइंस ग्रुप की शिल्पी गुप्ता, पूजा पाण्डेय सहित महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यकर्ता व सहायिका उपस्थित रहीं।

सरगुजा के लोकनृत्यों ने कला केंद्र में अद्भुत छटा बिखेरी

किसी भी समाज की पहचान उसकी कला व संस्कृति से होती है-सिंहदेव

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा सेवा समिति, नागरिक समिति तथा जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विजयादशमी महोत्सव अंतर्गत सांस्कृतिक लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन बुधवार को स्थानीय कला केंद्र मैदान में हुआ। शैला, कर्मा तथा पारंपरिक सुगा नृत्यों की शानदार प्रस्तुतियों ने कला केंद्र मैदान में अद्भुत छटा बिखेरी। इस बार सरगुजा अंचल के लोकनृत्यों की कुल 36 टीमों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, जिसमें से शैला वर्ग में मां महामाया शैला समिति जमदेई प्रथम, शैला पार्टी सोनगरा द्वितीय तथा रामदल कर्मा नृत्य भकुरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सुगा वर्ग में विश्वास सुगा नृत्य नर्मदापारा प्रथम, मां महामाया सुगा दल परसा भकुरा द्वितीय तथा शिवशक्ति सुगा दल भकुरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को उपस्थित अतिथियों ने पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर प्रत्येक प्रतिभागी टीम को समिति की ओर से दो-दो हजार भी सम्मान स्वरुप भेंट किया गया। साथ ही संस्था हेल्पिंग हैण्ड सोसायटी की ओर से प्रत्येक प्रतिभागी को प्लास्टिक फ्री एनवायरनमेंट को बढ़ावा देने के लिए जूट के बने बैग भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने उपस्थित जनसमुदाय को दशहरा तथा दिपावली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि किसी भी समाज की पहचान उसकी कला व संस्कृति से होती है, हमारा सरगुजा जिला इस मामले में समृद्ध है। जब भी मैं मांदर की थाप सुनता हूं, मुझे गांव की याद आती है। सरगुजा सेवा समिति के पूर्व अध्यक्ष स्व. रविशंकर त्रिपाठी के प्रयासों से सरगुजा के लोकनृत्यों की सांस्कृतिक विरासत को एक मंच पर लाकर सम्मानित करने की परंपरा शुरू हुई जो आज भी जारी है, इसे आगे बढ़ते ही रहना चाहिए। सरगुजा सेवा समिति की अध्यक्ष रजनी रविशंकर त्रिपाठी ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विजयादशमी महोत्सव में आयोजित होने वाले प्रतियोगिताओं की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। मानस गान तथा लोकनृत्य प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों की संख्या बढ़ना इस बात का शुभ संकेत है कि यह परंपरा अगली पीढ़ी तक जा रही है। नागरिक समिति के अध्यक्ष अजय अग्रवाल ने कहा कि विजयादशमी पर्व पर हमारे जिले में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में शहर तक गांव के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता रहती है। सरगुजा की लोक संस्कृति को एक सूत्र में पिरोने के इस कार्यक्रम की जितनी प्रसंशा की जाए कम है। उपाध्यक्ष अखिलेश सोनी ने कहा कि सरगुजा सेवा समिति, नागरिक समिति तथा जिला प्रशासन के इस आयोजन की चर्चा दूर-दूर तक है। सफल आयोजन के लिए समिति के सदस्यों को साधुवाद। कार्यक्रम का संचालन समिति के सदस्य नरेन्द्र सिंह टूटेजा व वीर सोनी ने संयुक्त रूप से किया। आभार प्रदर्शन समिति के सदस्य मधुसूदन शुक्ला ने किया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में रंजीत सारथी, देवेन्द्र दास सोनवानी, विनितेश गुप्त सक्रिय रहे। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, महापौर डॉ. अजय तिर्की, पूर्व श्रम कल्याण बोर्ड अध्यक्ष शफी अहमद, पूर्व सांसद कमलभान सिंह, अनिल सिंह मेजर, द्वितेन्द्र मिश्रा, संजय अग्रवाल, मंजूषा भगत, विद्यानंद मिश्रा, उपेन्द्र पैकरा, करताराम गुप्ता, आलोक दुबे, मधु चौदाहा, प्रयाग राज साहू, राजेश कश्यप, संतोष दास, विशाल शर्मा, महेंद्र अग्रवाल, मनोज सोनी, मयंक जायसवाल, अनुराग शुक्ला, अविनाश मंडल, आभाष राज, अमन गुप्ता, दीपक अग्रवाल, नीरज अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य जन सहित बडी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

विधायक ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सुखरी के नवीन भवन का किया लोकार्पण

छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर। अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल ने बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुखरी के नवीन भवन का फीता काटकर लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नवीन भवन बन जाने से मरीजों की समस्याएं दूर होंगी और अच्छे वातावरण में उनका इलाज होगा। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष मधु सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंहदेव, जिला पंचायत सीईओ नूतन कंवर, स्वास्थ्य विभाग से सीएमएचओ डॉ. पीएस मार्को, बीएमओ डॉ. राहुल कुशवाहा, डीपीएम डॉ. पुष्पेंद्र राम, बीपीएम धर्मेन्द्र जायसवाल, सुखरी की संस्था प्रभारी सीमा गुप्ता, डॉ. बी.पी. मिश्रा, अन्य स्टाफ, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्र सुखरी के अंतर्गत 06 आयुष्मान आरोग्य मंदिर हैं, जिसमें 17 गांव के लगभग 25 हजार से अधिक जनसंख्या को स्वास्थ्य लाभ मिल रहा है। स्वास्थ्य केंद्र के पुराने भवन में रख-रखाव तथा जगह की कमी के कारण गुणवत्तापूर्ण सेवाएं देने में असुविधा का सामना करना पड़ता था, नए भवन के बनने से स्वास्थ्य सुविधा का प्रसार होगा। उन्होंने बताया कि भवन का निर्माण सीजीएमएससी के माध्यम से 69 लाख में किया गया है।

पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय में पाईपिन सेरेमनी का आयोजन

उप पुलिस अधीक्षक अमित पटेल को अशोक स्तंभ लगाकर किया पदोन्नत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन (गृह पुलिस विभाग) मुख्यालय रायपुर के आदेश के परिपालन में पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज कार्यालय में पाईपिन सेरेमनी का आयोजन किया गया। इस दौरान आईजी अंकित गर्ग एवं पुलिस अधीक्षक सरगुजा योगेश पटेल ने सरगुजा जिले के उप पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अमित पटेल को अशोक स्तंभ लगाकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर पदोन्नत किया और शुभकामनाएं दी। इन्हें नवीन पदस्थापना विशेष आसूचना शाखा कैंप बस्तर हेतु कार्यमुक्त किया गया।

आईजी सरगुजा रेंज एवं एसपी सरगुजा ने इस मौके पर उन्हें विभाग द्वारा प्रदान किए गए नए दायित्वों,

विभागीय कार्यों का निर्वहन गतिशीलता एवं ऊर्जा के साथ करने हेतु शुभकामनाएं दी। पाईपिन सेरेमनी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा अमोलक सिंह ढिल्लो, रक्षित निरीक्षक/यातायात प्रभारी सरगुजा तृप्ति सिंह राजपूत सहित कार्यालयीन स्टॉफ उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य मितान वेतन नहीं मिलने से आर्थिक संकट में, कंपनी की लापरवाही पर उठे सवाल

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। आयुष्मान भारत योजना के तहत पूरे राज्य में कार्यरत लगभग 700 स्वास्थ्य मितानों को पिछले 4 महीनों से वेतन नहीं मिला है, जिससे सभी गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। राज्य शासन से अनुबंधित कंपनी एफएचपीएल के द्वारा वेतन भुगतान में हो रही देरी ने त्योहारों के मौके पर कर्मचारियों को मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान कर दिया है। कर्मचारियों ने बताया कि कोरबा जिले के स्वास्थ्य मितान काशीराम पटेल की पिछले महीने एक ट्रक दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी, लेकिन कंपनी ने उनके परिवार को कोई आर्थिक सहायता नहीं

दी। काशीराम की गर्भवती पत्नी और एक छोटे बच्चे के साथ उनके परिवार की स्थिति दयनीय हो गई है। इसके बावजूद कंपनी की ओर से किसी भी प्रकार की मदद नहीं मिली, जिससे कर्मचारियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

वेतन नहीं मिलने के मामले में राज्यभर के स्वास्थ्य मितानों ने रायपुर में स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात की। मंत्री ने तुरंत संचालक स्वास्थ्य सेवाएं को समस्या के समाधान के निर्देश दिए, लेकिन अब तक कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया है। इसके बाद स्वास्थ्य मितान कंपनी के राज्य प्रबंधक को लेकर संचालक स्वास्थ्य सेवाएं, नया रायपुर पहुंचे और सहायक संचालक धर्मेंद्र गहवाई को अपनी समस्याओं से अवगत कराया। स्वास्थ्य मितानों द्वारा संचालक को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें कंपनी की लापरवाही और वेतन नहीं देने की शिकायत की गई है। लगभग 5 महीने बीत चुके हैं, कर्मचारियों के सामने आर्थिक संकट और गहरा गया है। कर्मचारियों का कहना है कि अगर जल्द से जल्द उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो वे और अधिक कड़े कदम उठाने पर मजबूर होंगे। सरकार और संबंधित अधिकारियों से इस मामले में त्वरित कार्रवाई की उम्मीद की जा रही है, ताकि स्वास्थ्य मितानों को राहत मिल सके।

संभागायुक्त आज लेंगे बैठक

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। करमा महोत्सव की तैयारी के संबंध में सरगुजा संभागायुक्त जी.आर. चुरेन्द्र आज 10 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे से वीडियो कांन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संभाग के समस्त जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित संबंधित अधिकारियों की बैठक लेंगे। उन्होंने सभी को निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होने कहा है।

अंबिकापुर प्रखंड के ग्राम सुखरी में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने और ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान हेतु बुधवार को जनपद पंचायत अंबिकापुर के ग्राम पंचायत सुखरी में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल ने कहा कि यहां आप सभी के समस्याओं के निराकरण के लिए सभी विभागों के स्टॉल लगाए गए हैं, जहां विभागीय योजनाओं के संबंध में जानकारी देने के साथ आवेदन भी लिए जा रहे हैं तथा यथासंभव निराकरण की कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों से शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष मधु सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंहदेव, जिला पंचायत सीईओ नूतन कंवर, अपर कलेक्टर सुनील नायक, एसडीएम अंबिकापुर फागेश सिन्हा, जनपद पंचायत सीईओ आर.एस. सेंगर, स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी सहित ग्रामीण उपस्थित रहे। शिविर स्थल पर महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण, कृषि, श्रम, स्वास्थ्य, खाद्य, पशुपालन, शिक्षा आदि विभागों में संचालित योजनाओं के बारे में विभागीय अधिकारियों के द्वारा ग्रामीणों को विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गोदभराई रस्म तथा अन्नप्रासन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें अतिथियों द्वारा शिशुओं को खीर खिलाया गया।

शिविर में लिए गए आवेदन

शिविर में लोगों से विभिन्न योजनाओं के आवेदन लिए गए। राजस्व विभाग के 70, पीएचई के 10, विद्युत विभाग के 07, पीएमजीएसवाई के 02, कृषि विभाग के 02, क्रेडा के 07, स्वास्थ्य विभाग के 03, महिला एवं बाल विकास विभाग के 04, मत्स्य विभाग के 01, वन विभाग के 04, श्रम विभाग के 03, सिंचाई विभाग के 10, शिक्षा विभाग के 05, उच्च शिक्षा विभाग के 01, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के 160 सहित अन्य योजनाओं के संबंध में आवेदन लिए गए, इनमें से 31 आवेदन पत्रों का मौके पर निराकरण किया गया।

हितग्राहीमूलक सामग्रियों का वितरण

मत्स्य विभाग ने एक-एक हितग्राही को मछली बीज एवं आइस बाक्स, कृषि विभाग ने 06 हितग्राहियों को इलेक्ट्रिक पम्प, 01 को होंडा पेट्रोल पम्प एवं 03 को पेट्रोल/डीजल पम्प तथा 10 को मृदा स्वास्थ्य पत्रक प्रदान किया। उद्यानिकी विभाग ने 10 हितग्राहियों को सब्जी मिनी किट, खाद्य विभाग द्वारा 10 हितग्राहियों को राशन कार्ड वितरण किया गया। इसी प्रकार प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत ग्राम सुखरी के रामबाई एवं रामलाल, ग्राम सपना से संतरा, ग्राम कोल्डीहा से देवनारायण एवं ग्राम बकिरमा से श्यामपति को साल श्रीफल भेंट कर एवं पूर्ण आवास की प्रतीकात्मक चाबियां प्रदान की।

सर्पदंश से पीड़ित वृद्ध की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सर्पदंश से बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम टेड़गा निवासी रूपन लकड़ा पिता रतुराम 75 वर्ष की मौत हो गई। स्वजन ने बताया कि मृतक 8 अक्टूबर की रात को लघुशंका के लिए घर से बाहर निकला था, इसी दौरान उसे जहरीले सांप ने काट लिया। इसकी जानकारी वह घर के अंदर आने पर स्वजन को दिया था। संजीवनी 108 से उसे शांतिपारा स्वास्थ्य केन्द्र ले गए, यहां से रेफर करने पर देर रात 3.15 बजे उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घर से बिजली का सामान चोरी करने वाला गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। घर से बिजली का सामान चोरी करने के मामले में गांधीनगर थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया बिजली का सामान, कुल कीमत लगभग 25 हजार रुपये बरामद करने में पुलिस सफल हुई है।

जानकारी के मुताबिक राजीव चौधरी निवासी अरुण संगीत महाविद्यालय के पास ने गांधीनगर थाना में बीते 7 अक्टूबर को रिपोर्ट दर्ज कराया था कि उनका लड़का इलेक्ट्रिक कॉन्ट्रेक्टर का काम करता है, जो ठेकेदारी से संबंधित सामान को घर पर ही रखता है। घटना दिनांक को जब वे अपाने घर में थे, इसी दौरान उनके घर में रहकर काम करने वाले व्यक्ति एकनाथ यादव ने चोर-चोर कहकर शोर मचाया। उसकी आवाज को सुनकर जब वे अपने लड़के नीतिज्ञ के साथ बाहर निकले तो एकनाथ यादव बताया कि एक लड़का घर से तार एवं अन्य बिजली सामान चोरी करके भागा है। घर में रखे बिजली का सामान मिलान करने पर क्लैम्प, कंडक्टर, आई हुक, वी क्रॉस, केबल को चोरी करके अज्ञात व्यक्ति ले गया था। रिपोर्ट पर थाना गांधीनगर में धारा 331(4), 305 बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस ने विवेचना के क्रम में संदेही अनिल कुमार दास 22 वर्ष निवासी सोनतराई थाना सीतापुर, वर्तमान ठिकाना मयंक गैरेज के सामने थाना गांधीनगर को हिरासत में लिया और पूछताछ की तो उसने उक्त घर से बिजली का सामान चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी के निशानदेही पर पुलिस ने चोरी किया गया बिजली का सामान बरामद कर लिया है। आरोपी को गिरफ्तार करके पुलिस ने न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर से निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, आरक्षक ऋषभ सिंह, देवेंद्र पाठक, घनश्याम देवांगन, अजय मिश्रा शामिल रहे।

बाइकों की टक्कर में एक की मौत, दो घायल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बाइकों की टक्कर में एक की मौत हो गई, दो घायल हो गए। पुलिस ने बताया बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम कुड़केल का हीराधन पैकरा 52 वर्ष, मंगलवार को बाइक से अकेले सामान लेकर शाम लगभग 5.30 बजे वापस लौट रहा था। इसी दौरान बतौली में सम्राट पेट्रोल पंप के पास नेशनल हाइवे में विपरीत दिशा से आ रहे दो बाइक सवार पेट्रोल पंप की ओर जाने के लिए हुए और आमने-सामने इनकी भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में दोनों बाइक सवारों को चोटें आई थी। इन्हें शांतिपारा स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया। हीराधन की गंभीर स्थिति देखते हुए उसे प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर कर दिया गया, यहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। दूसरे बाइक में सवार दोनों युवकों को शांतिपारा स्वास्थ्य केन्द्र में इलाज चल रहा है। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर